



श्रीमद्-आधशङ्करभगवत्पाद-परम्परागत-मूलाभाय-
सर्वज्ञपीठ-श्री-काञ्ची-कामकोटि-पीठं
जगद्गुरु-शङ्कराचार्यस्वामि-श्रीमठसंस्थानम्

श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामावलि:

1. श्रीगुरवे नमः
2. शुद्धहृदयाय नमः
3. श्रेयसे नमः
4. शान्ताय नमः
5. दयानिधये नमः
6. दान्ताय नमः
7. तितिक्षवे नमः
8. चन्द्राभाय नमः
9. न्यस्तकर्मणे नमः
10. समाहिताय नमः
11. चटुलाय नमः
12. यतयित्ताय नमः
13. श्रद्धधानाय नमः

14. चिरन्तनाय नमः
15. चापलाय नमः
16. चतुरास्येऽयाय नमः
17. चरितव्रतकोविदाय नमः
18. चतुराय नमः
19. श्रुतिभौलिस्थाय नमः
20. शिवाय नमः
21. शुद्धप्रबोधकाय नमः
22. वशिने नमः
23. विश्वेश्वराय नमः
24. भुज्याय नमः
25. अमूल्याय नमः
26. भूलकृते नमः
27. भप्तिने नमः
28. भूर्धाभिषिक्ताय नमः
29. सर्वेशाय नमः
30. भट्टाष्टेवाय नमः
31. भट्टामदाय नमः
32. भवाय नमः
33. रुद्राय नमः
34. हराय नमः
35. भुग्धाय नमः
36. शर्वाय नमः
37. ईशानाय नमः
38. ईश्वराय नमः

39. भडेशाय नमः
40. स्वस्तिकृते नमः
41. सुस्थाय नमः
42. स्थिराय नमः
43. स्थाणवे नमः
44. सुरार्चिताय नमः
45. शाश्वताय नमः
46. सौम्यवदनाय नमः
47. सिद्धयोगिनिषेविताय नमः
48. सोमाय नमः
49. सुधास्वच्छतनवे नमः
50. श्रीमते नमः
51. प्रेयसे नमः
52. जगत्पतये नमः
53. श्रीकण्ठाय नमः
54. श्रितवात्सल्याय नमः
55. शाश्वताय नमः
56. शङ्कराभिधाय नमः
57. वीराय नमः
58. शुभविहारिणे नमः
59. शुद्धब्रह्मैक्यमूर्तिमते नमः
60. अभिलाय नमः
61. अभिलक्ष्णाय नमः
62. भूतात्मने नमः
63. भूतकृते नमः

64. विभवे नमः
65. आज्ञाकृते नमः
66. अमरोधोगिने नमः
67. कलिभीतसुरार्थिताय नमः
68. गुडादेशिने नमः
69. गुडागेहिने नमः
70. विष्णुब्रह्मनिदेशकृते नमः
71. गुह्याय नमः
72. गुडाशयाय नमः
73. गूढाय नमः
74. भूरिदाय नमः
75. भूतिकृते नमः
76. बुधाय नमः
77. भूभृत्स्थाय नमः
78. भूतिभृते नमः
79. भूभुजे नमः
80. भूतेशाय नमः
81. भूतभावनाय नमः
82. भद्राय नमः
83. भव्याय नमः
84. भवमिषजे नमः
85. भक्तपूज्याय नमः
86. पिनाकभृते नमः
87. भाण्डलात्मने नमः
88. मधुरवाये नमः

89. स्मिताय नमः
90. भान्याय नमः
91. मधवे नमः
92. भुनये नमः
93. मङ्गतेजसे नमः
94. मङ्गितवाये नमः
95. अलङ्काराय नमः
96. अमलाय नमः
97. अनघाय नमः
98. बालाय नमः
99. अबलैषणामुक्ताय नमः
100. आर्यभुवे नमः
101. आर्यसंश्रयाय नमः
102. शीलिने नमः
103. शिवगुरुप्रेष्ठाय नमः
104. आर्याम्भासुप्रजायै नमः
105. शिवाय नमः
106. परात्पराय नमः
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदेवसुसन्नुताय नमः
108. उदारधिये नमः
109. सत्यरूपाय नमः
110. कालटीजननाय नमः
111. अद्वयाय नमः
112. विधापतये नमः
113. वटवे नमः

114. वेधाय नमः
115. चिन्मयाय नमः
116. यूर्णिकाप्रियाय नमः
117. श्रीमात्रार्थितगार्दस्थाय नमः
118. श्रेयोधिने नमः
119. श्रितदेशिकाय नमः
120. श्रीमुष्माय नमः
121. श्रीधराय नमः
122. शुष्मिणे नमः
123. शासित्रे नमः
124. शुभये नमः
125. उज्ज्वलाय नमः
126. साधवे नमः
127. स्थेयसे नमः
128. संयियंसवे नमः
129. सरिदाप्नुतविग्रहाय नमः
130. ग्राहग्रहव्याजलब्धप्रसूसन्न्याससम्मतये नमः
131. सन्न्यस्ताय नमः
132. संयमिने नमः
133. प्रैषिणे नमः
134. संसारत्यागतत्पराय नमः
135. अर्थिष्मते नमः
136. आत्तगोविन्दाय नमः
137. प्रस्थिताय नमः
138. प्राप्तसद्गुरवे नमः

139. आमोदिने नमः
140. निगमान्तज्ञाय नमः
141. ऐकानन्दरसात्मकाय नमः
142. श्रीब्रह्मसूत्रव्याख्यात्रे नमः
143. ऐकदण्डाय नमः
144. कषायभृते नमः
145. भक्तप्रपञ्चसंस्थात्राय नमः
146. गोविन्दभगवत्प्रियाय नमः
147. हरिसब्रह्मचारिणे नमः
148. स्पृष्टगौडपदाम्बुजाय नमः
149. मातङ्गश्रीमहादेवीयोक्तिस्थापितसन्मताय नमः
150. यतितीर्थादिपुर्यन्तसम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः
151. बाहरायणवाग्वादिने नमः
152. बहुशिष्यपरीवृत्ताय नमः
153. पद्मपादसनाथाय नमः
154. योगप्राप्तहरायलाय नमः
155. आनीतलिङ्गकुलकाय नमः
156. आनन्दलहरीग्रहाय नमः
157. केदारेशप्रतिष्ठात्रे नमः
158. नेपालवरलिङ्गकृते नमः
159. काश्मीरादिक्षेत्रवासिने नमः
160. दुर्वादिमतभाण्डनाय नमः
161. श्रीहस्तिगिरिनाथादिविद्वक्षेत्रयराय नमः
162. सुधिये नमः
163. रुद्धभट्टोक्तिराद्धान्ताय नमः

164. जितभाण्डनभारतये नमः
165. परकायप्रवेशाप्तपाञ्चशर्यमहागमाय नमः
166. गुहानृसिंहसंस्तावलब्धदग्धकराम्बुजाय नमः
167. सरस्वतीजयाध्मातयतीश्वरसुरेश्वराय नमः
168. हस्तामलकसेव्याङ्घ्रये नमः
169. तोटकार्यसुसेविताय नमः
170. यित्सुभोदङ्कुसय्छात्रवन्दिताङ्घ्रये नमः
171. गुणाम्बुधये नमः
172. छलब्धगिरीशात्मने नमः
173. गौरीकान्ताय नमः
174. गुह्यतमाय नमः
175. गुरुराजाय नमः
176. गुणिने नमः
177. गोप्त्रे नमः
178. गोपनाय नमः
179. नराकृतये नमः
180. निर्भमाय नमः
181. नरकारातये नमः
182. नभ्याय नमः
183. नाथाय नमः
184. निरञ्जनाय नमः
185. निस्स्पृहाय नमः
186. निष्कलाय नमः
187. नित्याय नमः
188. नामरूपविवेकवते नमः

189. नाढीकाय नमः
190. निष्क्रियाय नमः
191. नीरुञ्जे नमः
192. निराशिषे नमः
193. निरामयाय नमः
194. निर्नतये नमः
195. निःस्वधाकाराय नमः
196. निःस्वाहाकृते नमः
197. निरीश्वराय नमः
198. नीरूपकाय नमः
199. निर्गुणाय नमः
200. निष्कर्मणे नमः
201. निर्व्यथाय नमः
202. वशिने नमः
203. निर्दोषाय नमः
204. नित्यपुष्टाय नमः
205. हृष्टाय नमः
206. तुष्टजनाश्रयाय नमः
207. साक्षात्कारिणे नमः
208. सन्निधानाय नमः
209. सूरये नमः
210. सायङ्कृष्टाय नमः
211. यमिने नमः
212. सते नमः
213. सात्वते नमः

214. सात्त्विकाय नमः
215. सत्त्व्याय नमः
216. सर्वमित्राय नमः
217. स्मरान्तकाय नमः
218. सशिष्याय नमः
219. सङ्ग्रहिणे नमः
220. ज्यायसे नमः
221. बलिने नमः
222. वाग्मिने नमः
223. मितोक्तिकृते नमः
224. वायंयमाय नमः
225. वरिष्ठाय नमः
226. व्याख्यानाभ्यायिकापटवे नमः
227. परमाय नमः
228. परिभुवे नमः
229. प्रौढाय नमः
230. प्राज्ञाय नमः
231. प्रीताय नमः
232. प्रियंवदाय नमः
233. प्रातर्दिने नमः
234. दहयोगिने नमः
235. प्रह्वाय नमः
236. प्रश्ननिर्मुखाय नमः
237. पारङ्गताय नमः
238. पाशमुक्ताय नमः

239. परविदे नमः
240. प्रत्यगीक्षित्रे नमः
241. अधिष्ठानविदे नमः
242. अव्याजाय नमः
243. ऐकवादिने नमः
244. द्वयासहाय नमः
245. स्वभुवे नमः
246. स्वराजे नमः
247. विराजे नमः
248. मौनिने नमः
249. स्वप्रकाशाय नमः
250. स्वयम्भ्रभवे नमः
251. भूते नमः
252. अरूपाय नमः
253. अव्यक्ताय नमः
254. परस्मै ज्योतिषे नमः
255. परस्मै पदाय नमः
256. परस्मै धाम्ने नमः
257. परस्यै काष्ठायै नमः
258. परस्यै शक्त्यै नमः
259. परस्यै गत्यै नमः
260. परस्मै ओक्से नमः
261. परस्मै वस्तुने नमः
262. परस्मै ब्रह्मणे नमः
263. परस्मै पुरो नमः
264. परायणाय नमः

265. परस्मै भावाय नमः
266. प्रशान्तात्मने नमः
267. प्रसादकाय नमः
268. प्रज्ञानघनमूर्तये नमः
269. प्रशास्त्रे नमः
270. प्रत्यगर्थवते नमः
271. विज्ञात्रे नमः
272. विश्वकृते नमः
273. वेधसे नमः
274. वेदवेधस्ववैभवाय नमः
275. सत्यप्रताय नमः
276. सत्यपराय नमः
277. त्रिसत्याय नमः
278. सत्यनायकाय नमः
279. सत्यप्रतिष्ठाय नमः
280. सत्याशिषे नमः
281. सत्यार्थप्रेरकाय नमः
282. सभाय नमः
283. धक्षित्रे नमः
284. सखिदानन्दस्वरूपाय नमः
285. सदसत्पराय नमः
286. सत्यरूपाय नमः
287. सत्यसंस्थाय नमः
288. नगेशाय नमः
289. छात्रमानिताय नमः
290. नारदादिनुताय नमः

291. नम्राय नमः
292. नारीनरनवाकृतये नमः
293. व्यासजैमिनिवाग्वादिने नमः
294. शारदाविजयिने नमः
295. शमिने नमः
296. सुरेश्वराचार्यदत्तस्वाश्रमाय नमः
297. सूरिकेसरिणे नमः
298. अङ्कितादिप्रात्यकृत्यदूरवैदिकवर्त्मकृते नमः
299. कुकूलानलकूटस्थकुमारिलकृतानतये नमः
300. कुतर्ककर्कशक्षमाभृत्कुलिशाय नमः
301. कविकेसरिणे नमः
302. कुवादिमदमत्तेभपञ्चास्याय नमः
303. कलिनाशनाय नमः
304. योगरोगहराय नमः
305. साङ्ख्यसङ्ख्यावते नमः
306. अभितधुतये नमः
307. जितजैनप्रतिष्ठमस्तम्भनोऽध्याटनामनवे नमः
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशेषाणवियक्षाणाय नमः
309. निरस्तद्वैतिमूर्धन्यशैवभागवतागमाय नमः
310. काञ्चीनगरनिर्मातृराजसेननृपार्जिताय नमः
311. वरदालयनिर्मात्रे नमः
312. ऐकाम्रनाथपद्मोद्धराय नमः
313. गुडास्थयित्कलायाऽय्यभ्याऽनाय नमः
314. कालभ्याऽनाय नमः
315. कामकोष्ठधराक्रीडाय नमः

316. कामकोटिपदाश्रयाय नमः
317. कामाक्षीवरिवस्याकृते नमः
318. कालहस्तीश्वरार्यनाय नमः
319. क्लृप्तसोपानसुप्रापशेषायलशिरःपदाय नमः
320. दिव्याय नमः
321. दीव्यद्भ्रह्मवर्यसे नमः
322. दीनरक्षिणे नमः
323. दरापलाय नमः
324. देवदेवाय नमः
325. दीनबन्धवे नमः
326. दयिताय नमः
327. दीनदैन्यहृते नमः
328. दोषदूराय नमः
329. दुष्टरिपवे नमः
330. दुर्वासःश्लाघिताय नमः
331. अदराय नमः
332. द्रविणाधेषाणात्यागिने नमः
333. दोषज्ञाय नमः
334. दूरदर्शनाय नमः
335. दीर्घदर्शिने नमः
336. दौःस्थ्यदूराय नमः
337. दारिद्र्यदमनाय नमः
338. दयिने नमः
339. दलिताशेषधीदोषाय नमः
340. विस्तृताद्वैतवैभवाय नमः

341. क्षेत्राटनकुमभ्रान्तकृत्स्नभारतमण्डलाय नमः
342. कैलाससेविने नमः
343. बदरीनारायणपदाश्रयाय नमः
344. कामरूपार्यनाय नमः
345. अकामाय नमः
346. काशमीरेश्वरसेवकाय नमः
347. अवन्तीद्वारकायोध्यामायाकाञ्चीमहीप्रियाय नमः
348. कालीघट्टरिद्वारजम्बुदेवीप्रयागगाय नमः
349. श्रीशैलेशजगन्नाथपुरुषोत्तमभीमगाय नमः
350. त्र्यम्बकोज्जयिनीविन्ध्यवासिनीसेवनापराय नमः
351. सेतुकन्याकुमारीगाय नमः
352. जनार्दनजनार्तिघ्ने नमः
353. अनन्तपुरवैयाघ्रवृषायलपदाश्रयाय नमः
354. कालटीकलभाय नमः
355. कल्याय नमः
356. सरःशरञ्जरीयराय नमः
357. कृत्स्नकर्णाटपाण्ड्यान्धयेरयोदमहीयराय नमः
358. श्रीनीपतिल्वन्यग्रोधछायाश्वेतवनाश्रयाय नमः
359. मान्यश्रीरङ्गमधुरार्जुनशायिपुराश्रयाय नमः
360. अभिलाण्डेश्वरीरत्नताटङ्गन्यस्तयन्त्रराजे नमः
361. काञ्चीगुहाच्छदन्यस्तयकराजपरिस्तराय नमः
362. भूम्यभेजेनिलाकाशलिङ्गसेवाधृतादराय नमः
363. सत्यव्रतस्थलस्थायिने नमः
364. कामकोटिमहास्पदाय नमः
365. विदम्बरसत्मान्यस्तमोक्षलिङ्गाय नमः

366. अलिङ्गाय नमः
367. ऋश्यशृङ्गाश्रमन्यस्तभोगलिङ्गाय नमः
368. ऋतम्भरिणो नमः
369. शारदामान्यसन्देशाय नमः
370. सर्वज्ञाय नमः
371. सर्वपापनुद्धे नमः
372. शारदामठसङ्क्षुभशारदापीठपावनाय नमः
373. शारदास्थापनापूतऋश्यशृङ्गगिरिस्थलाय नमः
374. अशरीरवयोव्यूढकामकोटिमठस्थितये नमः
375. कामकोटिमहापीठमध्यदृश्यमहामायाय नमः
376. कालघ्नाय नमः
377. कामदुहे नमः
378. कान्ताय नमः
379. शारदाजैत्रवाङ्मुखाय नमः
380. कामकोटिधरागोष्ठिने नमः
381. कर्मन्तिकुलशेखराय नमः
382. शिष्यसङ्घपरज्ञानप्रततीदोऽदप्रदाय नमः
383. महाभ्रायमहाभ्रायसेतुकेरलधर्मकृते नमः
384. पुर्यन्ततीर्थप्रमुञ्जशिष्यागमविवेचनाय नमः
385. आनन्देन्द्राभिधापूर्वसरस्वत्याह्वयागमाय नमः
386. आनन्दमयजानन्दिवाग्जयभ्यातवाक्प्रदाय नमः
387. योगेश्वरार्यानिरताय नमः
388. योग्याय नमः
389. योगविदां वराय नमः
390. सुस्थिताय नमः

391. सुस्थिराय नमः
392. स्निग्धाय नमः
393. स्थास्नवे नमः
394. स्थेम्ने नमः
395. स्थितिप्रदाय नमः
396. सत्यव्रतपटप्राप्तब्रह्मीभावाय नमः
397. अशरीरवते नमः
398. दुस्तरापारसंसारपारतारणकृत्तरये नमः
399. कृत्तारिवर्गसंशान्तस्वान्तलक्ष्यस्ववैभवाय नमः
400. अनातुराय नमः
401. अतुलिताय नमः
402. सद्वृत्ताय नमः
403. साधुदर्शनाय नमः
404. षड्दर्शनीपारदृश्यने नमः
405. षडध्वातीतमानसाय नमः
406. अदोषाय नमः
407. दुर्जयाय नमः
408. अदूनाय नमः
409. दुर्धर्षाय नमः
410. अपुनर्भवाय नमः
411. शुद्धाय नमः
412. बुद्धाय नमः
413. प्रबुद्धात्मने नमः
414. सिद्धाय नमः
415. प्रेद्धाय नमः

416. समुद्धराय नमः
417. समिद्धाय नमः
418. प्रतिभाविद्धाय नमः
419. सारज्ञाय नमः
420. सर्वशास्त्रविदे नमः
421. सुधास्वादुवयसे नमः
422. सूक्ष्ममतये नमः
423. मोहतमोरवये नमः
424. मढायशसे नमः
425. मढाशीलाय नमः
426. मढौजसे नमः
427. मढामुनये नमः
428. मढनीयाय नमः
429. मढासत्त्वाय नमः
430. माननार्हाय नमः
431. मढार्थविदे नमः
432. मायातत्त्वविदे नमः
433. अव्यग्राय नमः
434. मढीमण्डपण्डिताय नमः
435. मातृकृत्यासाह्यकर्मशमकेरलभूसुराय नमः
436. यथाप्रतिश्रवायीर्णस्मृतमातृप्रतिश्रुतये नमः
437. रवीन्दुदृशे नमः
438. दोर्मन्थोत्थाग्निसन्दीपिताम्बिकाय नमः
439. रसज्ञाय नमः
440. रसिताम्नायाय नमः

441. रागद्वेषहराय नमः
442. भङ्गते नमः
443. राजयोगिने नमः
444. आत्मकामाय नमः
445. निराशाय नमः
446. मातृवत्सलाय नमः
447. कामतन्त्रकलाप्त्यर्थकायान्तरनिवेशनाय नमः
448. काव्यरत्नविनिर्माणलब्धोदात्तकविप्रथाय नमः
449. माधुर्यधुर्यङ्गितये नमः
450. मधुराधीशमानिताय नमः
451. ज्योतिःपुरेशविनुताय नमः
452. पारेजयपुरस्थितये नमः
453. विरूपाक्षस्थलासेविने नमः
454. विजयाभ्यपुरीयराय नमः
455. विदिशादेशविहृतये नमः
456. विश्वनाथपदप्रियाय नमः
457. पाटलीपुत्रसंस्थानाय नमः
458. विष्णुपादप्रसेवनाय नमः
459. गयावटद्रुमूलस्थाय नमः
460. लङ्कायलनिर्गुह्ये नमः
461. वृन्दावनान्तसञ्चारिणे नमः
462. व्यासायलबिलाश्रयाय नमः
463. ओङ्कारकुण्डविहृतये नमः
464. मल्लिकार्जुनमग्नधिये नमः
465. श्रीपञ्चनदपञ्चास्यशिष्यषण्डनिषेविताय नमः

466. अङ्गोबिलगुडारामाय नमः
467. कमलाक्षाय नमः
468. कलानिधये नमः
469. कलिध्वंसिने नमः
470. कामरूपाय नमः
471. कामयाराय नमः
472. कलामयाय नमः
473. परमेष्ठिने नमः
474. वशप्राणाय नमः
475. कामाक्षीसेवनोत्सुक्याय नमः
476. प्राणदाय नमः
477. प्राणयिने नमः
478. पुष्टाय नमः
479. सर्वतन्त्रस्वतन्त्राधिये नमः
480. स्वतन्त्रात्मने नमः
481. नास्तिकान्तकृते नमः
482. प्रधिये नमः
483. आसनाध्वविदे नमः
484. दग्धक्षपाणकोत्सेधाय नमः
485. दक्षिण्यनिधये नमः
486. अक्षताय नमः
487. दक्षाय नमः
488. दक्षिणदिक्स्थिद्वाय नमः
489. कालत्रयविदे नमः
490. आस्तिकाय नमः
491. आदृष्टे नमः

492. अपौरुषाय नमः
493. ध्वस्तकापालिकमतक्रमाय नमः
494. कामिनीविभुषाय नमः
495. काम्याय नमः
496. कर्मत्यजे नमः
497. कार्मणाय नमः
498. कृतिने नमः
499. कल्याणगुणशीलाय नमः
500. क्रियामुक्ताय नमः
501. कृपाधनाय नमः
502. कीर्तिमते नमः
503. कृतयोगेशपूजात्रातजगज्जनाय नमः
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्यननृपार्यिताय नमः
505. वेदान्तभास्कराय नमः
506. ज्ञानयन्द्राय नमः
507. ऐश्वर्यवारिधये नमः
508. नेपालदेशभूपालवृषदेवोपदेशकृते नमः
509. कैलासकूटसङ्ग्रहपशुपत्यर्यनाविधये नमः
510. सौगतप्रातनिष्कासपटवे नमः
511. वैराग्यबोधकाय नमः
512. सुधीमणये नमः
513. दिव्यदर्शिने नमः
514. देवदैत्यहृते नमः
515. अब्रमाय नमः
516. प्रसन्नकमलादत्तदरिद्रब्राह्मणीनिधये नमः

517. सङ्कुलकुसुमप्रज्यमन्दमन्दस्मिताङ्कुराय नमः
518. यिन्मुद्रापरिधूतान्तेवासिपुङ्गवसंशयाय नमः
519. हरिहरिवयोऽसत्समसात्कृतभैरवाय नमः
520. समाश्रितसुधन्वात्तपाद्गुणानित्यपूजनाय नमः
521. नमःशेषिणे नमः
522. नामपराय नमः
523. नन्दिताशेषविष्टपाय नमः
524. अकृष्टिने नमः
525. कषायिने नमः
526. भुक्तिने नमः
527. भक्तिस्तौगताय नमः
528. दिगम्बरादिदुःसिद्धसिद्धान्तविनिर्बल्लभाय नमः
529. भल्लिकाश्चेतदशनाय नमः
530. भल्लिकादूरमानसाय नमः
531. कामारिभूर्तये नमः
532. कुतुकिने नमः
533. कमनीयगुणाकराय नमः
534. सोमोद्धवातटीकूमसौम्यगोविन्दसेवनाय नमः
535. भल्लिकाप्रिययालुङ्कराजपूजितविग्रहाय नमः
536. अत्याश्रमवरिष्ठाय नमः
537. श्रिये नमः
538. श्रितकल्पद्रुमाय नमः
539. अश्रमाय नमः
540. भरुद्धाजलस्नायिने नमः

541. घटोद्वसुदर्शनाय नमः
542. स्वयंविनम्रवृक्षाग्रशाभार्पितकुलाशनाय नमः
543. वर्षद्वलाहकोन्मुक्तनीरासाराध्वमध्यगाय नमः
544. समुज्ज्वलद्वज्ज्वालादत्तवीथीवनाश्रयाय नमः
545. शरारुमृगनिर्व्यूढसरणीयसृतिक्रमाय नमः
546. सदानुकूलपवनाय नमः
547. वसिष्ठाय नमः
548. वाग्यताय नमः
549. वराय नमः
550. समीभवत्समुत्पाताय नमः
551. पांसून्मुक्तपथान्तराय नमः
552. तुषारशीकरस्पृष्टश्लिष्टपिष्टादनक्रियाय नमः
553. भकरन्दजरीमान्यमधुरोक्तये नमः
554. भडाकवये नमः
555. कमण्डलूदरकोडीकृतकल्लोलिनीजराय नमः
556. अमृष्टमस्मकिलिन्नांशुकान्तनीरयरस्थितये नमः
557. वेलाधामव्युदस्ताब्धये नमः
558. भृतसञ्जीवनेक्षणाय नमः
559. भडाव्याधिप्रशमनाय नमः
560. भदग्राय नमः
561. भृगवश्यकृते नमः
562. जडकुब्जादिसम्भाषिणे नमः
563. लतापुष्पकृतार्थनाय नमः
564. सौवस्तिककोष्टुब्न्दाय नमः

565. सौभसुप्तिककौशिकाय नमः
566. सौप्राभातिककाकोलाय नमः
567. सौभासनिकपत्रगाय नमः
568. सौभगायनकृद्धेकाय नमः
569. सौवातिथ्यकपुष्पलिङ्गे नमः
570. सौवागतिकशार्दूलाय नमः
571. सौभोन्मृष्टिकवृश्चिकाय नमः
572. सौस्नातिकप्रस्रवाणाय नमः
573. सौवभ्यञ्जनिकाम्बुदाय नमः
574. सौवीजितिकवातूलाय नमः
575. सौवनातपिकद्रुमाय नमः
576. सौवासितिकपञ्चास्याय नमः
577. सौवन्धसिकवाहसाय नमः
578. सौविहासिकमत्तेमाय नमः
579. सौवध्युषितकृद्गुहाय नमः
580. सौप्रस्थितककान्ताराय नमः
581. सौशाकुनिकमौकलाय नमः
582. सौवापीतिकवेशन्ताय नमः
583. सौजग्धिककुलेग्रहये नमः
584. सौविलिप्तिकभूधूलये नमः
585. सौवस्त्रकपटय्यराय नमः
586. सौजापितिकमल्लूकाय नमः
587. सौवधीतिकयातकाय नमः
588. सौसंविष्टिकगोपुच्छाय नमः

589. सौवुद्धीतिककोकिलाय नमः
590. सौभप्रबुद्धिकश्चाविधे नमः
591. सौवाह्निकदिवकराय नमः
592. सौरात्रिकतुषारांशवे नमः
593. सौयामिकदिवानिशाय तमः
594. अवाये नमः
595. अकायाय नमः
596. अयित्ताय नमः
597. दण्डिने नमः
598. द्वैततमोरवये नमः
599. षड्गुणाय नमः
600. सप्तभङ्गीस्याद्वादभेदिने नमः
601. अष्टसिद्धिमते नमः
602. त्र्यक्षमूर्तये नमः
603. यतुर्वर्गसुरभये नमः
604. बुद्धिवेष्टित्रे नमः
605. श्रीनवावरणार्यादिविधायार्याय नमः
606. अदशाय नमः
607. अजराय नमः
608. रुद्रैकादशिनीजापस्नपितार्धेन्दुशेखराय नमः
609. निर्गन्धाय नमः
610. न्यस्तकर्मोघाय नमः
611. निःश्रेयसरताय नमः
612. अरतये नमः
613. निरन्ताय नमः

614. नीरुजाय नमः
615. अनीडाय नमः
616. नियमप्रजधूर्वहाय नमः
617. निगुम्भशतनिर्दिष्टनिर्दुष्टाद्वैतपद्धतये नमः
618. सङ्क्षोपशारीरककृत्सर्वज्ञात्मार्षितासनाय नमः
619. नैष्कर्म्यसिद्धिकृद्भार्तिककृद्देवेश्वरान्तराय नमः
620. प्लुष्टटीकापञ्चपाटीपाठतोषितपद्मपदे नमः
621. उस्तामलकिताध्यात्मउस्तामलकलंसकाय नमः
622. बडुमन्दानन्दगिरितोटकप्रकटाग्रधिये नमः
623. यित्सुभायार्यकुमात्मयर्याविज्यापिताश्रमाय नमः
624. उपदेशसहस्रादिप्रथितप्रकटाद्वयाय नमः
625. आम्नायाष्टकनिर्देशे नमः
626. मध्यमाम्नायनिष्ठिताय नमः
627. विजृम्भाष्टाध्वस्ततथागतपथागताय नमः
628. द्वारकामठनिर्मात्रे नमः
629. कालिकापीठकल्पकाय नमः
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृते नमः
631. लङ्कालीप्रसादनाय नमः
632. छन्दोगाय नमः
633. कीटवारस्थाय नमः
634. गोमतीतीर्थसेवनाय नमः
635. स्वरूपब्रह्मयार्यार्यपद्मपादनिदेशकृते नमः
636. आश्रमिणे नमः
637. तत्त्वमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवते नमः
638. ज्योतिर्भठकराय नमः

639. જયોતિષ્મતીપીઠનિદેશકૃતે નમઃ
640. બદર્યાશ્રમસંસ્થાનાય નમઃ
641. અલકનન્દાવગાહનાય નમઃ
642. આથર્વણાઙ્ગિરોવેદિને નમઃ
643. શ્રીપૂર્ણાગિરિસેવકાય નમઃ
644. ગોવર્ધનમઠીનાથાય નમઃ
645. ગિરિયોગપટાશ્રયાય નમઃ
646. પુરુષોત્તમસત્ક્ષેત્રિણે નમઃ
647. વિમલાપીઠકલ્પકાય નમઃ
648. શતાનન્દાય નમઃ
649. શતૌજસે નમઃ
650. દશેન્દ્રિયવિનિગ્રહાય નમઃ
651. શ્રીતુન્દિલિતદેશશ્રીઋશ્યશૃંગગિરિશ્રિણે નમઃ
652. શારદાવચનખ્યાતવ્યાખ્યાપીઠાધિરોહણાય નમઃ
653. રામચન્દ્રપુરક્ષેત્રિણે નમઃ
654. તુઙ્ગભદ્રાતટાશ્રમિણે નમઃ
655. વરાહદેવતાસારશારદાહ્રયશક્તિભૃતે નમઃ
656. ભૂરિવારિણે નમઃ
657. કૃષ્ણાયજુર્વેદિને નમઃ
658. શ્રીભારતીપદાય નમઃ
659. વિભાવકાધિષ્ઠાનસ્થમલહાનિકરેશદૃશે નમઃ
660. વિરૂપાક્ષમહાદેવમહનીયપદાશ્રયાય નમઃ
661. મનીષિમણ્ડલીમાન્યમૌલામ્નાયમહાગુરવે નમઃ
662. પ્રાચ્યપ્રતીચ્યાવાચ્યોદીચ્યામ્નાયાદિમદેશિકાય નમઃ
663. પ્રાચ્યામ્નાયસુવિન્યસ્તહસ્તામલકસંસ્તુતાય નમઃ

664. प्रतीच्याम्नायसन्देशनानन्दितसनन्दनाय नमः
665. अवाच्याम्नायनिक्षिप्तपृथ्वीधरनताङ्घ्रिकाय नमः
666. उदीच्याम्नायजनन्दानन्दगिर्यम्बिवन्दिताय नमः
667. कामकोटीपीठपतये नमः
668. कम्पावेगवतीयराय नमः
669. अेकाम्रनाथयरणसरोजतमधुप्रताय नमः
670. कामाक्षीयरणद्वन्द्वपादुकार्यनतत्पराय नमः
671. ऋग्वेदात्मने नमः
672. परब्रह्मव्यवस्थापनधीरधिये नमः
673. सत्यप्रतसमाभ्यातकाभ्यन्तरितविग्रहाय नमः
674. सर्वज्ञपीठाध्यारोल्लुप्तसार्वज्ञ्यसंशयाय नमः
675. सुरेश्वरादिसंस्थात्रसमाराधितपादुकाय नमः
676. भीमांसाद्वयपारीणाय नमः
677. काणादाक्षपदाध्वविदे नमः
678. द्वात्रिंशदायुःकलितत्रिःप्रदक्षिणामृतलाय नमः
679. आसेतुलिमशैलान्तधर्मस्थापनदेशिकाय नमः
680. विधावशीकृताशेषदेशविद्वज्जनार्जिताय नमः
681. जगद्गुरवे नमः
682. जगधोनये नमः
683. शास्त्रयोनये नमः
684. समन्वयिने नमः
685. स्पष्टास्पष्टब्रह्मलिङ्गिने नमः
686. साङ्ख्ययोगविमर्शकृते नमः
687. वैयाकरणाधीशोधिने नमः
688. वसिष्ठाय नमः

689. ककुब्भराय नमः
690. गौतमीयवयोमुद्रिणे नमः
691. वैशेषिकमहापलाय नमः
692. शौद्धोदनिमदोत्सादिने नमः
693. जैमिनीयकुट्टिहते नमः
694. द्विगम्भरनयान्तघ्नाय नमः
695. ध्वस्तपाशुपतक्रियाय नमः
696. शून्यात्मवादनिर्द्वे नमः
697. मित्रभागवतागमाय नमः
698. विनोदनिर्मितप्रौढन्यायगम्भीरभाष्यकृते नमः
699. व्याख्यातशुवयरिताय नमः
700. विश्वसृष्टिविशारदाय नमः
701. स्थितिसीमाविभागज्ञाय नमः
702. प्रलयार्थप्रकाशकाय नमः
703. संसारतत्त्वसङ्ख्यावते नमः
704. भायातत्त्वनिर्मुखाय नमः
705. समूलाविधकाध्यारोपोन्मूलनवियक्षाणाय नमः
706. संसारतारणोपायसन्दर्शनपटिष्ठवाये नमः
707. रसिकाह्लादजनकमहावाक्ययमत्कृतये नमः
708. ध्वनिप्रधानामरुकशतश्लोकीमहाकवये नमः
709. ब्रह्मसूत्रब्रह्मशिभागीताप्रस्थानभाष्यकृते नमः
710. प्रत्यग्ब्रह्मैक्यबोधाध्वदर्शिने नमः
711. भोक्षाध्वदर्शकाय नमः
712. निरन्तरकृताम्नायशिरोनिगदशीलनाय नमः
713. वेदान्तवनह्यक्षाय नमः

714. तत्त्वज्ञानमहोदधये नमः
715. तरुणाय नमः
716. तरुणीदूराय नमः
717. तारापतिसमञ्जस्ये नमः
718. तारकब्रह्मतत्त्वज्ञाय नमः
719. तपस्विने नमः
720. तापसानुगाय नमः
721. तापत्रयविनिर्मुक्ताय नमः
722. नलिनोक्तिनिरासकृते नमः
723. अलङ्कृतिने नमः
724. अतिमान्यश्रियै नमः
725. आत्मविदे नमः
726. ब्रह्मवित्तमाय नमः
727. ब्रह्मण्याय नमः
728. ब्रह्मभूताय नमः
729. स्वाधिष्ठानाञ्जितकाञ्जिगाय नमः
730. कृतपुण्यस्थलीयात्राय नमः
731. उर्ध्वाभ्रायार्थतत्त्वविदे नमः
732. कैवल्यक्षेत्रविजयिने नमः
733. शुद्धमानसतीर्थकाय नमः
734. सुमेरुमूलसञ्चारिणे नमः
735. मायाशक्तिविभावनाय नमः
736. सत्यज्ञानाभिधाह्वानिने नमः
737. अभ्यासानन्दमूर्तिमते नमः
738. सोऽंशिवोऽंवाक्यश्रियै नमः

739. प्रत्यगाम्नायवेदनाय नमः
740. निरञ्जनेश्वरासेविने नमः
741. श्रीकराय नमः
742. सम्प्रदायभृते नमः
743. विधापीठमहायोगिने नमः
744. परमात्ममहाश्रयाय नमः
745. त्रिपुटीतीर्थविहृतये नमः
746. योगक्षेत्रद्विवाकराय नमः
747. श्रीविधाशक्तिजपनाय नमः
748. भन्त्रिणे नमः
749. सन्तोषनैगमिने नमः
750. परहंसपरिव्राजे नमः
751. श्रीसिद्धाभ्यव्रतयर्थभृते नमः
752. मातृकैकमहावाक्याय नमः
753. क्षेत्रज्ञाय नमः
754. अक्षरतः पराय नमः
755. निष्कलाम्नायनिरताय नमः
756. शान्तिदान्तियुताय नमः
757. चित्यै नमः
758. आनन्दपीठसंविष्टाय नमः
759. स्वानुभूतिपदाश्रयाय नमः
760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्ज्ञेयाय नमः
761. सख्यिन्मठसमाश्रयाय नमः
762. नभस्तीर्थाय नमः
763. नभोदर्शिने नमः

764. नमसे नमः
765. चिच्छक्तिचिन्तनाय नमः
766. प्राणवप्राणयिने नमः
767. नम्रिणे नमः
768. नन्दगोपजपूजकाय नमः
769. भूम्ने नमः
770. ब्रह्मानन्दनाम्ने नमः
771. कूटस्थाय नमः
772. अक्षराय नमः
773. षष्टिदाय नमः
774. पराङ्मत्यगमित्राय नमः
775. सकलात्मने नमः
776. अकलाय नमः
777. पुरवे नमः
778. पुरुषाय नमः
779. पुष्कलाय नमः
780. पूर्णाय नमः
781. सत्तामात्राय नमः
782. पुरातनाय नमः
783. भोगयोगिने नमः
784. योगभोगिने नमः
785. भुवनात्मने नमः
786. वनेयराय नमः
787. भूतिकृते नमः
788. भूतिदाय नमः

789. भूताय नमः
790. भूरिशाय नमः
791. भूतभावुकाय नमः
792. यक्षभृते नमः
793. यक्षराज्यार्थसम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः
794. यक्षिभूषणभूतात्मने नमः
795. यक्षपाणिनिषेविताय नमः
796. यक्षवर्तिशिरोभूषाशेषायितनभ्रच्छवये नमः
797. यामीकरीकृतामत्रदरिद्रब्राह्मणीगृहाय नमः
798. यतुरोदारगम्भीरवाक्यनिर्भरवादकृते नमः
799. यञ्जलाय नमः
800. यन्द्रयूडात्मने नमः
801. जितयम्पकनासिकाय नमः
802. यर्यिताशेषभूयस्कसञ्चारिमतसञ्जयाय नमः
803. यालिताद्वैतविज्ञानाय नमः
804. यराय नमः
805. यित्रिणे नमः
806. यिदम्भराय नमः
807. यीर्णसत्यप्रतस्थानयिरन्तनसुभासिकाय नमः
808. यूर्णितच्छात्रहृद्ग्रन्थये नमः
809. यूर्णपूर्णदुरास्यकृते नमः
810. प्रतिष्ठापकधौरेयाय नमः
811. प्रतिष्ठितमहायशसे नमः
812. प्रौढविज्ञानवादिस्थगर्वसर्वकृषोद्विताय नमः
813. नन्दिताशेषभूयारिणे नमः

814. यतिधर्मविमर्शकृते नमः
815. दर्शिताध्यात्मयाथात्म्याय नमः
816. सुधीसङ्घनिषेविताय नमः
817. नदीनदसरस्तीर्थाप्लावपावितविग्रहाय नमः
818. पण्डितप्रातपाण्डित्यप्रमोषणपटूद्विताय नमः
819. तत्पदार्थप्रकटनाय नमः
820. त्वम्पदार्थविवेककृते नमः
821. नित्यानन्दाय नमः
822. निरालम्बाय नमः
823. निरक्षाय नमः
824. निष्पिलेक्षकाय नमः
825. नित्यधिये नमः
826. नित्यसङ्कल्पाय नमः
827. निधिस्थाय नमः
828. निरविधकाय नमः
829. नित्यवासिने नमः
830. नित्यशुचये नमः
831. निर्लुब्धाय नमः
832. निगमारिघ्ने नमः
833. निरञ्जनाय नमः
834. नित्यपूज्याय नमः
835. नित्यमुक्ताय नमः
836. निरीश्वराय नमः
837. निष्कर्त्रे नमः
838. निष्कृतये नमः

839. निःस्वाय नमः
840. निष्काय नमः
841. निष्पिलवासम्बुवे नमः
842. पुरीशाय नमः
843. पूर्वगाय नमः
844. पुण्याय नमः
845. पूर्वनामिने नमः
846. पुरुप्रियाय नमः
847. विभ्यातवीर्याय नमः
848. विधेशाय नमः
849. श्रीविधाषोऽशीगुरवे नमः
850. लक्ष्म्यै नमः
851. लक्ष्याय नमः
852. लक्ष्मणाय नमः
853. लक्ष्मणाय नमः
854. लसत्पदाय नमः
855. ह्रीमते नमः
856. हंसगतये नमः
857. हंसाय नमः
858. हंसश्चेतहृदम्बुजाय नमः
859. हंसमन्त्रार्थतत्त्वज्ञाय नमः
860. हंसवर्णाय नमः
861. हरिप्रियाय नमः
862. हर्षार्मर्षसहाय नमः
863. हसकुशलाय नमः

864. હાનિવૃદ્ધિનુદે નમઃ
865. સભ્યાય નમઃ
866. સભાપતયે નમઃ
867. સ્વામિને નમઃ
868. સમ્ભૃતયે નમઃ
869. સમ્ભવાપહાય નમઃ
870. હીવેરશીતલસ્વાન્તાય નમઃ
871. હીમતીહારિતાત્મભાજે નમઃ
872. લક્ષિતાશેષમન્ત્રાર્થાય નમઃ
873. લક્ષકોટ્યાદનાયકાય નમઃ
874. લલિતાઙ્ગાય નમઃ
875. લયજ્ઞાત્રે નમઃ
876. લબ્ધસ્વાય નમઃ
877. લબ્ધહર્ષણાય નમઃ
878. કમ્બુકણ્ઠાય નમઃ
879. કલિધ્વંસિને નમઃ
880. કલ્યાણાત્મને નમઃ
881. કલધ્વનયે નમઃ
882. ભૂષિતાન્તર્વાણિયકાય નમઃ
883. ભૂગાય નમઃ
884. ભૂસુરસેવિતાય નમઃ
885. યાગવિદે નમઃ
886. યોગવિદે નમઃ
887. યુક્તાય નમઃ
888. યશોદાય નમઃ

889. यमप्रियाय नमः
890. ओङ्कारव्याहतिव्यग्राय नमः
891. नमितारातिमण्डलाय नमः
892. नागशैलशिरश्चारिणे नमः
893. रामगिर्याश्रमाश्रयाय नमः
894. वाञ्छितार्थप्रदाय नमः
895. शर्वाय नमः
896. अदीनाय नमः
897. भोदमेदुराय नमः
898. यतियर्याविवेकज्ञाय नमः
899. यतधिये नमः
900. यतभावनाय नमः
901. ओङ्कारिणे नमः
902. वितताद्वैतश्रुतिन्यायाय नमः
903. कृपानिधये नमः
904. यन्त्रे नमः
905. यतमनसे नमः
906. यभ्याय नमः
907. यज्ञाङ्गाय नमः
908. यज्ञभूषणाय नमः
909. यज्ञाय नमः
910. यज्ञपतये नमः
911. यज्वने नमः
912. यज्ञभुवे नमः
913. यज्ञभावनाय नमः

914. कृपार्पितकरालम्भाय नमः
915. विध्वस्तविधये नमः
916. अएऽसुवे नमः
917. निष्पिलक्ष्मातलायार्याय नमः
918. पाषाणमत्तभ्रणनाय नमः
919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्याय नमः
920. मताद्वयमहानयाय नमः
921. परिव्राजकधूर्वोद्रे नमः
922. अनन्तधुरे नमः
923. अन्तरान्तराय नमः
924. मुक्ताय नमः
925. मुकुन्दाय नमः
926. मध्यस्थाय नमः
927. मद्दूराय नमः
928. मनोमयाय नमः
929. शान्ताय नमः
930. शुभङ्कुराय नमः
931. शुक्राय नमः
932. शूराय नमः
933. शोकविवर्जिताय नमः
934. भिक्षवे नमः
935. तरक्षवे नमः
936. क्षमित्रे नमः
937. अक्षतये नमः
938. साक्षतार्यनाय नमः

939. राजराजार्चिताय नमः
940. रञ्जयाय नमः
941. रञ्जकाय नमः
942. रश्मिमते नमः
943. रमाय नमः
944. रमणाय नमः
945. रसवादिने नमः
946. रजताद्रिनिर्केतनाय नमः
947. अस्थूलाय नमः
948. अनाएवे नमः
949. ह्रस्वाय नमः
950. मनवे नमः
951. मेधायै नमः
952. मलामनसे नमः
953. बहुपादाय नमः
954. बहुभुजाय नमः
955. बहुशीर्षाय नमः
956. बहुप्रियाय नमः
957. नान्तःप्रज्ञाय नमः
958. नप्रज्ञाय नमः
959. नबहिःप्रज्ञाय नमः
960. नाप्रज्ञाय नमः
961. प्रज्ञानघनाय नमः
962. विज्ञानात्मने नमः
963. विलासकृते नमः

964. प्रियाप्रियस्पर्शलीनाय नमः
965. अमृताय नमः
966. आकाशदेवते नमः
967. अભૂમયે નમઃ
968. અજલાય નમઃ
969. અનગ્નયે નમઃ
970. અવાયવે નમઃ
971. અનમ્બરાય નમઃ
972. અગ્રાહ્યાય નમઃ
973. અદ્રેશ્યકાય નમઃ
974. અશ્રોત્રે નમઃ
975. શ્રોત્રે નમઃ
976. કર્ત્રે નમઃ
977. અકર્તૃકાય નમઃ
978. અગન્ધાય નમઃ
979. અરસકાય નમઃ
980. અરૂપાય નમઃ
981. અસ્પર્શાય નમઃ
982. અશબ્દાય નમઃ
983. શબ્દભાજે નમઃ
984. મન્ત્રે નમઃ
985. અમન્ત્રે નમઃ
986. અનુમન્ત્રે નમઃ
987. બોદ્ધે નમઃ
988. અબોદ્ધે નમઃ

989. प्रबोधकृते नमः
 990. ऐकाय नमः
 991. अनेकाय नमः
 992. केवलात्मने नमः
 993. सर्वस्मै नमः
 994. संसारमोयनाय नमः
 995. नित्यशुद्धाय नमः
 996. नित्यबुद्धाय नमः
 997. नित्यमुक्ताय नमः
 998. निराश्रयाय नमः
 999. षाड्विधातमश्छेत्रे नमः
 1000. भक्तहृत्पद्मभास्कराय नमः



श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामानि (अर्थसहितानि)

1. □□□□□□□□ — श्रीं कुरुवे नमस्कारम्
2. □□□□□□□□ — சுத்தமான ஹ்ருதயத்தை உடையவர்
3. □□□□□□□□ — உயர்ந்தவர்
4. □□□□□□ — (அவாக்கள்) அடங்கிய மனதை உடையவர்
5. □□□□□□□□ — கருணையின் கருவூலமானவர்
6. □□□□□□ — புற புலன்களை அடக்கியவர்
7. □□□□□□□□ — பொறுமை உடையவர்
8. □□□□□□□□ — சந்திரன் போல் பிரகாசிப்பவர்

9. □□□□□□□□□□ — (ஸம்ஸாரிகளின்) செயல்களை விடுத்தவர்
10. □□□□□□□ — மனதையும் புலன்களையும் ஸத்விஷயங்களில் நிறுத்தியவர்
11. □□□□□ — அழகுற எப்பொழுதும் காரியங்களில் முற்பட்டவர்
12. □□□□□□□□ — மனதை அடக்கியவர்
13. □□□□□□□□□□ — (ஸாஸ்த்ரம் மற்றும் குரு வாக்கியத்தில்) நம்பிக்கை உடையவர்
14. □□□□□□□□ — (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில் காலவரையறையற்றவராக முந்தையவர்களுக்கெல்லாம் குருவாக) தொன்றுதொட்டு இருப்பவர்
15. □□□□□ — (மக்கள் நல்வழியில் வரமாட்டார்களா என்ற) அவா கொண்டவர்
16. □□□□□□□□□□□□□□ — ப்ரஹ்மாவால் போற்றப்பட்டவர்
17. □□□□□□□□□□□□□□ — விடாது நன்னடத்தையில் திறம்பட இருப்பவர்
18. □□□□□ — திறமைசாலி
19. □□□□□□□□□□□□□□ — (வேதத்தின் உச்சியில்) வேதாந்தத்தில் (ஆசார்யனாக) நின்றவர்
20. □□□□ — ஸிவனாரின் (அவதாரமானவர்)
21. □□□□□□□□□□□□□□ — தூயதை நன்கு போதிப்பவர்
22. □□□ — (உணர்ச்சிகளை) தன் கட்டுக்குள் வைத்தவர்
23. □□□□□□□□□□□□ — (மூல வடிவில்) உலகத்தை ஆள்பவர்
24. □□□□□□ — சிறந்தவர்
25. □□□□□□□□ — மதிப்பிட முடியாதவர்
26. □□□□□□□□ — (அத்வைதத்தின்) மூல (பாஷ்ய நூல்களை) செய்தவர்
27. □□□ — யஜ்ஞங்களை (தான் காப்பாற்றவேண்டியவையாகக்) கொண்டவர்
28. □□□□□□□□□□□□□□ — தலைவராக பட்டாபிஷேகம் செய்விக்கப்பட்டவர்
29. □□□□□□□□ — அனைத்தையும் செய்யவல்லவர்

30. □□□□□□ — பெரும் தேவன் (அல்லது பூதேவர்களுக்குள் சிறந்தவர்)
31. □□□□□□ — சுகமும் துக்கமும் (அனுபவிக்கும் ஸரீரமெனும் உபாதிக்கு உட்புகுந்தவர்)
32. □□□ — உலக உற்பத்திக்கு காரணமானவர்
33. □□□□□□ — அழகையைப் போக்குபவர்
34. □□□ — (பாபங்களை) நீக்குபவர்
35. □□□□□□ — கள்ளங்கபடமின்மை என்ற அழகை உடையவர்
36. □□□□□□ — (தோஷங்களை) அழிப்பவர்
37. □□□□□□ — (உலகு) ஆள்வதை சுபாவமாகக் கொண்டவர்
38. □□□□□□ — திறம்பட (உலகு) ஆள்வவர்
39. □□□□□□ — சக்தியுடையவர்களில் சிறந்தவர்
40. □□□□□□□□□□□□ — (பக்தர்களுக்கு) நலத்தை விளைவிப்பவர்
41. □□□□□□ — (ஆத்மா, மனஸ், இந்த்ரியங்கள்) ப்ரஸன்னமாக இருப்பவர்
42. □□□□□□ — உறுதியாக இருப்பவர்
43. □□□□□□□□ — அசைவற்ற (பரம்பொருளாக) இருப்பவர்
44. □□□□□□□□□□□□ — தேவர்களால் போற்றப்படுபவர்
45. □□□□□□□□ — என்றும் இருப்பவர்
46. □□□□□□□□□□ — இனிமை மிகுந்த முகமுள்ளவர்
47. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸித்தர்களாலும் யோகிகளாலும் வணங்கப்பட்டவர்
48. □□□□ — (கருணையாகிய) உமையுடன் இருப்பவர் (அல்லது) சந்த்ரனை (போல் உபதேச அமுதம் பொழிபவர்)
49. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அம்ருதமயமான சுத்தமான உடலைக் கொண்டவர்
50. □□□□□□□□ — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வம் உடையவர்
51. □□□□□□□□ — (பக்தர்களின்) மிகுந்த அன்பிற்குரியவர்

52. □□□□□□□□ — உலகுக்கு தலைவர்
53. □□□□□□□□□ — (உலகைக் காக்க) விடமுண்ட கண்டன் ஆனவர்
54. □□□□□□□□□□□□□□ — (பக்தர்களிடம்) அன்புகாட்டுவதில் நிலைத்தவர்
55. □□□□□□□ — சிவனை வழிபடுபவர்
56. □□□□□□□□□□ — சங்கர என்ற பெயர் கொண்டவர்
57. □□□□ — (தர்மத்தைக் காப்பதில்) வீரர்
58. □□□□□□□□□ — ஸஞ்சாரத்தால் மங்களத்தைப் பரப்புபவர்
59. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சுத்த பிரம்மத்தில் ஐக்கியமே தனது (உண்மை) வடிவமாக உடையவர்
60. □□□□□ — முழு (பிரபஞ்ச வடிவினர்)
61. □□□□□□□□□□□□□□ — அனைத்து மந்திரங்களாலும் போதிக்கப்படுபவர்
62. □□□□□□□□□ — (ஐம்) பூதங்களுக்கு உள்ளிருப்பவர்
63. □□□□□□□□ — (ஐம்) பூதங்களை உருவாக்கியவர்
64. □□□□□ — எங்கும் நிறைந்தவர்
65. □□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில் தேவர்களை அந்தந்த வடிவில் பிறக்கும்படி) கட்டளையிட்டவர்
66. □□□□□□□□□□□ — தேவர்களின் (நலனுக்காக) முயற்சி செய்பவர்
67. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கலிக்கு பயப்படும் தேவர்களால் (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில்) வேண்டப்பட்டவர்
68. □□□□□□□□□ — முருகனை (குமாரில பட்டராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
69. □□□□□□□□□ — (அவ்வப்போது மலை) குறைகளை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
70. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விஷ்ணு ப்ரஹ்மா (இவர்களை ஸநந்தனர் மற்றும் ஸுரேச்வரராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
71. □□□□□□ — (அஸத்துகளிடம் சொல்லத்தகாத) ரகசியமானவர்

72. □□□□□□ — (ஹ்ருதய) குஹையில் உறைபவர்
73. □□□□ — (ப்ரஹ்ம வடிவில் அறியவொண்ணாது எவ்விடமும்) ஒளிந்திருப்பவர்
74. □□□□□□ — அள்ளி வழங்குபவர்
75. □□□□□□□□ — செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
76. □□□□ — அறிஞர்
77. □□□□□□□□□□ — மலையில் ஸஞ்சரிப்பவர்
78. □□□□□□□□ — (உலகில் தர்மமெனும்) செல்வத்தை பராமரிப்பவர்
79. □□□□□□ — உலகைக் காப்பவர்
80. □□□□□□ — ஜீவராசிகளுக்கு தலைவர்
81. □□□□□□□□ — ஜீவராசிகளை உருவாக்கியவர்
82. □□□□□□ — மங்களமானவர்
83. □□□□□□ — மனதிற்கினியவர்
84. □□□□□□□□ — பிறவிப்பிணிக்கு வைத்தியர்
85. □□□□□□□□□□ — பக்தர்களால் பூஜை செய்யப்படுபவர்
86. □□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) பிநாகம் (என்னும் வில்லை) தாங்கியவர்
87. □□□□□□□□□□ — (ஸத்துக்களின்) மண்டலத்திற்கு ஆத்மாவாக இருப்பவர்
88. □□□□□□□□ — இனியன மொழிபவர்
89. □□□□□□ — புன்னகை பூத்தவர்
90. □□□□□□ — மரியாதைக்குரியவர்
91. □□□□ — தேனையை (ஸாரமான ஆனந்தம் கொடுக்கும் பரம்பொருளானவர்)
92. □□□□□□ — மௌனமாக சிந்திப்பவர்
93. □□□□□□□□ — பேரொளிபடைத்தவர்
94. □□□□□□□□ — பெருமைக்குரியன சொல்பவர்

95. □□□□□□□□ — (பூமியை) அலங்கரிப்பவர்
96. □□□□ — (முந்தைய பிறப்பில் சேகரித்து தீய எண்ணமாகிய) அழுக்கு இல்லாதவர்
97. □□□□ — பாவமில்லாதவர்
98. □□□□ — (எளிமை மற்றும் கபடமின்மையில்) குழந்தை போன்றவர்
99. □□□□□□□□□□□□ — பெண்ணாசை அற்றவர்
100. □□□□□□□ — (வெளிப்படையாகவும் ஸுகுக்ஷமமாகவும்) சான்றோரிடையே இருப்பவர்
101. □□□□□□□□□□□□ — சான்றோருக்கு அடைக்கலமாக இருப்பவர்
102. □□□□ — சீலம் மிகுந்தவர்
103. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சிவகுருவின் ப்ரிய (மகனார்)
104. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆர்யாம்பாவின் உயர்ந்த குழந்தை
105. □□□□ — மங்களமானவர்
106. □□□□□□□□ — அப்பாலுக்கும் அப்பாலாய் இருப்பவர்
107. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — முப்பத்து முக்கோடி தேவர்களால் நன்கு வணங்கப்படுபவர்
108. □□□□□□□□ — விசாலமான மனம் உடையவர்
109. □□□□□□□□ — ஸத்ய வடிவினர்
110. □□□□□□□□□ — காலடியில் பிறந்தவர்
111. □□□□□□ — இரண்டற்றவர்
112. □□□□□□□□□□□□ — கல்விக்கு தலைவர்
113. □□□□ — ப்ரஹ்மசாரியாக இருப்பவர்
114. □□□□□□ — (த்யானத்தால்) அறிய வேண்டியவர்
115. □□□□□□□□ — சைதன்ய வடிவினர்
116. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சூர்ணிகா (பூர்ணா என்னும் நதியில் பால்யத்தில்) களித்தவர்

- 47

135. □□□□□□□□□□ — (துறவறத்தால் புதிய) பொலிவு பெற்றவர்
136. □□□□□□□□□□□□ — கோவிந்த (பகவத்பாதரை மனதினால் குருவாக) வரித்தவர்
137. □□□□□□□□□□ — (குருவிருக்கும் இடம் நோக்கி) கிளம்பியவர்
138. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்குருவை சென்றடைந்தவர்
139. □□□□□ — (குருவினால் சிஷ்யனாக) ஆமோதிக்கப்பட்டவர் / ஞான நறுமணம் கொண்டவர்
140. □□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தத்தை அறிந்தவர்
141. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஒரே ஆனந்த ரஸமாக எப்போதும் இருப்பவர்
142. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீ பிரம்ம சூத்திரத்திற்கு வியாக்யானம் எழுதியவர்
143. □□□□□□□□ — ஒரே தண்டத்தை கொண்டவர்
144. □□□□□□□□□ — காவியை உடுத்தியவர்
145. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பக்தர்களாகிய உலகத்தோர் (தமக்கு) மாணவர்களாகக் கொண்டவர்
146. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கோவிந்த பகவத்பாதருக்கு பிரியமானவர்
147. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (அவரது பூர்வாச்ரம புத்ரராகிய பர்த்ரு)ஹரியின் சக மாணவர்
148. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கௌட(பாதரின்) பாதங்களைத் தொட்டு (வணங்கியவர்)
149. □□□ — மாதங்க மஹாராணியின் வேண்டுகோளின்படி (அந்த ராஜ்ஜியத்தில்) நல்தர்மத்தை ஸ்தாபித்தவர்
150. □□□ — யதிகளுக்கு தீர்த்த முதல் புரீ வரை (தசநாமி) ஸம்ப்ரதாயத்தை ஏற்படுத்தியவர்

- 49

166. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (பரகாய
ப்ரவேசத்தின் போது) குஹையில் (ஒளிக்கப்பட்டிருந்த தமது இயல்பு
உடலை சிலர் எரிக்க முயன்ற போது) நரசிம்மரை வேண்டி எரிந்த தன்
கரத்தாமரைகளை மீட்டுப்பெற்றவர்
167. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கலைவாணியை
வெற்றிகொண்டு ஸுரேஸ்வரரை துறவி ஆக்கியவர்
168. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹஸ்தமலகரால் ஸேவிக்கப்பட்ட
திருவடிகளைக் கொண்டவர்
169. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தோடகாசார்யரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
170. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
சித்ஸுகர் உதங்கர் (போன்ற) நல்மாணவர்களால் வணக்கப்பட்ட
திருவடியினர்
171. □□□□□□□□□□□□ — குணக்கடலானவர்
172. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விருப்பப்படி (தனது மூல) சிவ
வடிவம் எடுக்கக்கூடியவர்
173. □□□□□□□□□□□□ — கௌரியை ஈர்த்தவர்
174. □□□□□□□□□□□□ — உத்தமமான குரு
175. □□□□□□□□□□□□ — குருமார்களுக்கரசர்
176. □□□□ — நல்ல குணம் உடையவர்
177. □□□□□□ — (பக்தர்களைக்) காப்பவர்
178. □□□□□ — (ரகசியங்களை) ஒளிப்பவர்
179. □□□□□□□□ — மனித வடிவம் கொண்ட (தெய்வம்)
180. □□□□□□□□ — மமதையற்றவர்
181. □□□□□□□□□□ — நரகத்திற்கு எதிரி
182. □□□□□□ — வணங்கத்தக்கவர்
183. □□□□ — தலைவர்
184. □□□□□□□□ — அப்பழுக்கற்றவர்

185. □□□□□□□□□□ — ஆசைகளை கட்டுப்படுத்தியவர்
186. □□□□□□□ — பகுக்க முடியாத (பிரமமே சொருபமானவர்)
187. □□□□□□ — என்றும் இருப்பவர்
188. □□□□□□□□□□□□□□ — பெயர் உருவம் (இரண்டும் ப்ரஹ்மத்தைக் காட்டிலும் வேறு என்ற) விவேகம் உள்ளவர்.
189. □□□□□□ — பொய்யற்றவர்
190. □□□□□□□□□□ — செயல்களுக்கப்பாற்பட்டவர்
191. □□□□□□ — வலியற்றவர்
192. □□□□□□□ — ஆசைகள் இல்லாதவர்
193. □□□□□□□ — வியாதி இல்லாதவர்
194. □□□□□□□□ — (யாருக்கும் தலை) வணங்கத் (தேவை) இல்லாதவர்
195. □□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்வதா (என்று சொல்லி செய்யும் பித்ரு காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
196. □□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்வாஹா (என்று சொல்லி செய்யும் தேவ காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
197. □□□□□□□□□□ — (தனக்கு மேற்பட்ட) ஈசனில்லாதவர்
198. □□□□□□□□ — உருவற்ற (பரம்பொருளானவர்)
199. □□□□□□□□ — குணமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
200. □□□□□□□□□□ — புண்ணிய பாபமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
201. □□□□□□□□□□ — துக்கமற்றவர்
202. □□□ — வசீகரிப்பவர்
203. □□□□□□□□□□ — பற்றில்லாதவர்
204. □□□□□□□□□□□□ — என்றும் வலுவானவர்
205. □□□□□□ — உற்சாகமுள்ளவர்
206. □□□□□□□□□□□□□□ — திருப்தியான ஜனங்களால் ஆம்ரயிக்கப்படுபவர்

207. □□□□□□□□□□ — (ப்ரம்ம ஞான நிலையை) நேரடியாக அனுபவித்தவர்
208. □□□□□□□□ — (ப்ரம்ம ஞான நிலைக்கு) அருகில் சேர்ப்பிப்பவர்
209. □□□□ — தத்துவமறிந்தவர்
210. □□□□□□□□ — (அன்றன்று) மாலை (எங்குள்ளாரோ அங்கேயே இரவு தங்கும்) வீடாக கொண்டவர்
211. □□□ — புலன்களை கட்டுப்படுத்தியவர்
212. □□□ — உண்மை வடிவினர்
213. □□□□□□□□ — உண்மை(பொருளான பகவானை) உபாஸிப்பவர்
214. □□□□□□□□□□ — சத்வ குணம் நிரம்பியவர்
215. □□□□□ — கலாசாரம் நிரம்பியவர்
216. □□□□□□□□□□ — அனைவருக்கும் நண்பர்
217. □□□□□□□□□□ — காமனை அழித்தவர்
218. □□□□□□□ — சிஷ்யர்களுடன் கூடியவர்
219. □□□□□□□□ — (வேத தாத்பரியத்தை) ஸங்க்ரஹம் செய்தவர்
220. □□□□□□□□ — மூத்தவர்
221. □□□ — சக்திமிக்கவர்
222. □□□□□□ — வாக்கு வன்மை மிக்கவர்
223. □□□□□□□□□□□□ — அளவோடு பேசுபவர்
224. □□□□□□□ — பேச்சை அடக்கியவர்
225. □□□□□□□ — மிக உயர்ந்தவர்
226. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உரைகளை சரித்திரங்கள் (போல் அழகுற உருவாக்குவதில்) திறமிக்கவர்
227. □□□□ — எல்லாவற்றிலும் உயர்ந்தவர்
228. □□□□□□ — சுற்றிலும் இருக்கும் (பரம்பொருளானவர்)
229. □□□□□□ — பக்குவமானவர்

230. □□□□□□□□ — அறிவாளி
231. □□□□□□ — மகிழ்வுடன் இருப்பவர்
232. □□□□□□□□□□ — பிரியமாக பேசுபவர்
233. □□□□□□□□□□ — (தோஷங்களை) அறவே ஒழிப்பவர்
234. □□□□□□□□ — தஹர யோகம் அறிந்தவர்
235. □□□□□□□□ — வணங்கிய இயல்பினர்
236. □□□□□□□□□□□□□□ — கேள்விகளுக்கு (பதில்களை) நிரூபித்தவர்
237. □□□□□□□□ — எல்லையை அடைந்தவர்
238. □□□□□□□□□□ — பாசத்திலிருந்து விடுபட்டவர்
239. □□□□□□ — பரத்தை அறிந்தவர்
240. □□□□□□□□□□□□□□ — உள்நோக்கிய பார்வையுடையவர்
241. □□□□□□□□□□□□□□ — (ப்ரபஞ்சமாம் தோற்றத்திற்கு) ஆதாரத்தை அறிந்தவர்
242. □□□□□□□□ — (அருள்மழைபொழிய) காரணமில்லாதவர்
243. □□□□□□ — ஒரே இறை எனும் வாதத்தை கொண்டவர்
244. □□□□□□□□□□ — இரட்டையை ஒப்பாதவர்
245. □□□□□□ — தன்னில் நிலைத்தவர்
246. □□□□□□□□ — (மோக்ஷ நிலையில் தன்னை ஆள பிறர் இல்லாது) தன்னைத் தானே ஆள்பவர்
247. □□□□□□ — வியாபித்து ஆள்பவர்
248. □□□□ — மௌனமாய் இருப்பவர்
249. □□□□□□□□□□□□ — தானே ஒளிர்பவர்
250. □□□□□□□□□□□□□□ — (மற்றொருவரை எதிர்பாராமல்) தாமே திறமிக்கவர்
251. □□□□ — மேன்மை பொருந்தியவர்
252. □□□□□□ — உருவமில்லாதவர்
253. □□□□□□□□□□ — (எளிதில்) விளங்காதவர்

254. □□□ □□□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த ஜோதியானவர்
255. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பதவியானவர்
256. □□□ □□□ — மிகவும் உயர்ந்த உறைவிடமானவர்
257. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த எல்லையானவர்
258. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த சக்தியானவர்
259. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த கதியானவர்
260. □□□□ □□□ — மிகவும் உயர்ந்த சேருமிடமானவர்
261. □□□ □□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பொருளானவர்
262. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பிரம்மமானவர்
263. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்து முன்னின்றவர்
264. □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்ததை அடைவிப்பவர்
265. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த த்யானவிஷயமானவர்
266. □□□□□□□□□□□□□ — மிகுந்த சாந்தமே சொரூபமானவர்
267. □□□□□□□□ — திருப்தி செய்பவர்
268. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஞானம் தவிர வேறற்ற மூர்த்தியானவர்
269. □□□□□□□□□ — வழிநடத்திச் செல்பவர்
270. □□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளிருக்கும் பொருளை அறிந்தவர்
271. □□□□□□□□ — நுண்ணிய அறிவுடையவர்
272. □□□□□□□□□ — உலகை உருவாக்கியவர்
273. □□□□□ — உலகின் (ஒவ்வொரு அம்சங்களையும்) அமைத்தவர்
274. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வேதத்தினால் மட்டும் அறியத்தக்கதும்
தன்னிடம் மட்டும் உள்ளதுமான (தனிப்) பெருமையை உடையவர்
275. □□□□□□□□□ — சத்தியத்தை விரதமாக கொண்டவர்
276. □□□□□□□ — சத்தியத்துக்கு அர்ப்பணமானவர்
277. □□□□□□□□□ — மூன்று காலத்துக்கும் சத்தியமானவர்
278. □□□□□□□□□ — சத்தியத்திற்கு நாயகன்

279. □□□□□□□□□□□□ — சத்தியத்தின் அடிப்படையில் (செயல்படுபவர்)
280. □□□□□□□□ — சத்தியமான வாழ்த்துகள் வழங்குபவர்
281. □□□□□□□□□□□□□□ — சத்திய ப்ரயோஜனமுடைய காரியங்களை ஊக்குவிப்பவர்
282. □□□ — (அனைத்தையும்) ஸமமாக பார்ப்பவர்
283. □□□□□□□□ — (அனைத்தையும்) கவனித்துக்கொண்டிருப்பவர்
284. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சத்சித் ஆனந்த வடிவானவர்
285. □□□□□□□□ — ஸத் அஸத் (இரண்டையும் பிரிப்பதில்) முனைந்தவர்
286. □□□□□□□□ — சத்தியமே வடிவானவர்
287. □□□□□□□□□□ — சத்தியத்தில் நன்கு நிலைத்தவர்
288. □□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) மலைக்கு ஈசன்
289. □□□□□□□□□□□□ — மாணவர்களால் கொண்டாடப்படுபவர்
290. □□□□□□□□□□□□ — நாரதர் முதலியவரால் மிகவும் போற்றப்பட்டவர்
291. □□□□□ — (பகவானை) வணங்கும் சுபாவமுடையவர்
292. □□□□□□□□□□□□□□ — பெண்களோ ஆண்களோ (கண்டிராத) அபூர்வ வடிவினர்
293. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வியாசர் ஜைமினி ஆகியோருடன் வாதம் புரிந்தவர்
294. □□□□□□□□□□ — சாரதையை வென்றவர்
295. □□□ — அடக்கம் கொண்டவர்
296. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸுரேஸ்வராசார்யருக்கு தனக்கு (நிகரான ஸந்ந்யாஸ) ஆஸ்ரமத்தை கொடுத்தவர்
297. □□□□□□□□□□ — சிந்தனையாளர்களில் சிம்மம்
298. □□□ — (சூட்டினால்) முத்திரைகள் தரித்துக்கொள்வது போன்ற சாஸ்த்ரம் தடுத்த செயல்கள் அறவே அற்ற வைதிகமாக பாதையை அமைத்தவர்

299. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உமித்தீக்கூட்டத்தின் இடையே இருந்த குமாரில (பட்டரால்) வணங்கப்பட்டவர்
300. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கடினமான மலைகள் போன்ற துஷ்ட வாதங்களை (அழிக்கும்) வஜ்ராயுதமானவர்
301. □□□□□□□□ — கவி இயற்றுவதில் சிம்மம்
302. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மதம் பிடித்த யானைகள் போன்ற தூர்வாதிகளை (வீழ்த்தும்) சிங்கம் போன்றவர்
303. □□□□□□□□ — கலியை நாசம் செய்பவர்
304. □□□□□□□□□□ — யோகத்தால் நோயை நீக்கியவர்
305. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஞான (பாதையை) திரிபற அறிந்தவர்
306. □□□□□□□□□□□□ — அளவற்ற பொலிவுடையவர்
307. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜைனர்களின் இடைஞ்சல்கள் மற்றும் ஸ்தம்பன உச்சாடனங்களுக்கான மந்த்ரங்களை முறியடித்தவர்
308. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வைசேஷிகர்களின் முக்கியமான கூற்றுகள் வறண்டுபோகும்படி செய்வதில் நிபுணர்
309. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தலையாய த்வைதிகளாகிய சைவர்கள் மற்றும் பாகவத மதத்தவர்களின் ஸாஸ்த்ரத்தை நிராகரித்தவர்
310. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காஞ்சீபுர நகரத்தை (ஆசார்யாளின் ஆஜ்ஞைப்படி மீண்டும்) நிர்மாணம் செய்துகொடுத்த ராஜஸேனன் என்ற அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
311. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ராஜஸேனன் மூலம்) வரதர் ஆலயத்தை (புனர்)நிர்மாணித்தவர்
312. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஏகாம்ரநாதரின் இருப்பிடத்தை (ஜீர்ண) உத்தாரணம் செய்(வித்)தவர்

313. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காமாக்ஷி மூலஸ்தானமாகிய பிலாகாச) குறையில் இருந்த ஜீவகலையின் உக்ரத்தை நீக்கியவர்
314. □□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) காலனையே கண்டித்தவர்
315. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோஷ்டம் (என்ற புண்ய) பூமியை தன் விளையாட்டு இடமாக கொண்டவர்
316. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (காமாக்ஷியாம்) காமகோடியின் பாதங்களை ஆஸ்ரயித்தவர்
317. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமாக்ஷிக்கு (பலவித) சேவைகளை செய்தவர்
318. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காலஹஸ்தீஸ்வரரை பூஜித்தவர்
319. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸேஷாசலத்தின் உச்சியை எளிதில் அடைய அனுகூலமான படிக்கட்டை அமைக்கச் செய்தவர்
320. □□□□□□ — தெய்வீகமானவர்
321. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□ — தெய்வீக பிரம்ம வர்சஸ் உடையவர்
322. □□□□□□□□ — தீனர்களை காப்பவர்
323. □□□□□□ — அல்பத்தனத்தை நீக்குபவர்
324. □□□□□□□ — தேவர்களுக்கும் தேவர்
325. □□□□□□□□□ — தீனர்களுக்கு உறவினர்
326. □□□□□ — அன்பிற்குரியவர்
327. □□□□□□□□□□□□□□ — தீனர்களின் தீனத்தன்மையைப் போக்குபவர்
328. □□□□□□□ — தோஷங்களிலிருந்து தூரத்திலிருப்பவர்
329. □□□□□□□□□□ — துஷ்டர்களுக்கு எதிரி
330. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துர்வாசரால் சிலாகிக்கப்பட்டவர்
331. □□□□ — அல்பத்தனம் இல்லாதவர்

332. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பொருள் முதலியவற்றில்
ஆசையை விட்டவர்
333. □□□□□□ — குற்றங்களை (விலக்குவதற்காக அவற்றை) அறிந்தவர்
334. □□□□□□□□ — தொலைவில் உள்ளவற்றை காண்பவர்
335. □□□□□□□□□□ — (வருங்காலத்தை) வெகுமுன்பே பார்க்கவல்லவர்
336. □□□□□□□□□□□□ — மோசமான நிலையை அகற்றுபவர்
337. □□□□□□□□□□□□□□ — ஏழ்மையை கட்டுப்படுத்துபவர்
338. □□□ — தயை உடையவர்
339. □□□□□□□□□□□□□□ — புத்தியில் உள்ள குறைகளை மிச்சமில்லாமல்
சிதைப்பவர்
340. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைதத்தின் வைபவத்தை
விஸ்தாரம் செய்தவர்
341. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
க்ஷேத்ராடன முறைப்படி முழு பாரத மண்டலத்தையும் சுற்றியவர்
342. □□□□□□□□□ — கைலாசத்தை சேவித்தவர்
343. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பத்ரிநாராயணரின் பாதங்களை
ஆசிரயித்தவர்
344. □□□□□□□□□□□□ — காமரூபம் (அஸ்ஸாமில் உள்ள தேவியை)
அர்ச்சித்தவர்
345. □□□□□ — காமம் இல்லாதவர்
346. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காச்மீரத்தில் ஈசனுக்கு சேவை செய்தவர்
347. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— அவந்தீ த்வாரகா அயோத்யா மாயா காஞ்சீ ஆகிய க்ஷேத்ரங்களை
விரும்பியவர்
348. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
காளிகட்டம், ஹரித்வார், ஜம்பு (ஜம்மு) தேவி, பிரயாகை ஆகியவற்றுக்குச்
சென்றவர்

349. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீசைல ஈசன், ஜகந்நாதம், புருஷோத்தமம், பீம (சங்கர க்ஷேத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
350. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தர்யம்பகம், உஜ்ஜயினி, விந்த்யவாசினி (க்ஷேத்ர தெய்வங்களை) ஆர்வத்துடன் வணங்கியவர்
351. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சேது, கன்யாகுமரி (க்ஷேத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
352. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜனார்த்தன (க்ஷேத்ரத்தில் இருந்த) ஜனங்களின் கஷ்டத்தைத் தொலைத்தவர்
353. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — திருவநந்தபுரம், வ்யாக்ர (க்ஷேத்ரம்) மற்றும் திருச்சூரை நாடியவர்
354. □□□□□□□□□□ — காலடியில் (பிறந்த ஞான புஷ்டியுடன் கூடிய) யானைக்குட்டி
355. □□□□□ — (காரியங்கள் செய்வதில்) திறமிகுந்தவர்/முனைந்தவர்
356. □□□□□□□□□□□□ — குளங்கள், (அவற்றின் கரைகளில் அடர்ந்திருக்கும்) புல்லுகள், நீர்வீழ்ச்சிகள் (இடையே) ஸஞ்சரித்தவர்
357. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கர்ணாடகம், ஆந்த்ரம், பாண்டியம், சேரம் மற்றும் சோழ நாடுகள் அனைத்திலும் ஸஞ்சரித்தவர்
358. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வில்வவனம் (வைகாபூர்), நீபவனம் (ஆலவாய்), தில்லைவனம் (சிதம்பரம்), ஆலங்குடி, சாயாவனம் (சாயக்காடு), வெண்காடு (ஆகியவற்றை) நாடியவர்
359. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மதிக்கப்பெறும் ஸ்ரீரங்கம், மதுரை, மருதூர், வில்லிபுத்தூரை நாடியவர்
360. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அகிலாண்டேஸ்வரிக்கு ரத்ன தாடங்கமாக யந்திர ராஜமாகிய (ஸ்ரீசக்ரத்தை) அணிவித்தவர்

361. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காஞ்சீ
(கேஷத்ர பிலாகாசமாகிய) குஹையை மூடும்படி (ஸ்ரீ)சக்ர ராஜத்தை மூடியாக
வைத்தவர்
362. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமி,
ஜலம், தேஜஸ், காற்று, ஆகாசம் (ஆகிய பஞ்ச பூத கேஷத்ரங்களான காஞ்சீ,
திருவானைக்கா, திருவண்ணாமலை, காளஹஸ்தி, சிதம்பரம் இங்குள்ள)
லிங்கங்களை ஸேவிப்பதில் ஆதரவு கொண்டவர்
363. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ)
கேஷத்ரத்தில் வஸித்தவர்
364. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி மடத்தை நிலைப்பிடமாக
கொண்டவர்
365. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சிதம்பர ஸபையில்
மோக்ஷ லிங்கத்தை வைத்தவர்
366. □□□□□□□□ — (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாக) தனிப்பட்ட அடையாளம்
இல்லாதவர்
367. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ருஷ்யசிருங்கர்
ஆச்ரமத்தில் போக லிங்கத்தை வைத்தவர்
368. □□□□□□□□ — (உலகெங்கும் பரவியிருக்கும் ஸத்யத்தை அறிவதற்கான)
ருதம்பரா (ப்ரஜைஞ எனப்படும் ஞானத்தை) கொண்டவர்
369. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையால் மதிக்கப்பட்ட (நீ பூமியில்
ஆங்காங்கு இருந்து மக்களுக்கு அருள வேண்டும் என்ற) வேண்டுகோளை
விடுத்தவர்
370. □□□□□□□□ — எல்லாம் அறிந்தவர்
371. □□□□□□□□□□□□ — எல்லா பாபங்களையும் நீக்குபவர்
372. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையின்
நிற்பிடத்தில் சாரதா பீடத்தை நிறுவி பவித்ரமாக்கியவர்
373. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
சாரதையை ஸ்தாபித்ததால் ருச்யச்ருங்ககிரியை சிறப்படையச்செய்தவர்

374. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அசரீரியின் சொல்படி காஞ்சி மடத்தை நிறுவி வளர்த்தவர்
375. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி மஹா பீடத்தில் காணப்பட்ட பெரிய மணியைப் போன்றவர்
376. □□□□□□□ — (சிவனார் வடிவத்தில்) யமனை அடக்கியவர்
377. □□□□□□□ — விரும்பிய (பலன்களை) அளிப்பவர்
378. □□□□□□□ — அன்பிற்குரியவர்
379. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையையே ஜயிக்கும் வாக்கை வாயில் கொண்டவர்
380. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி பூமியை தனது கொட்டில் போல் (இருப்பிடமாக) கொண்டவர்
381. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யதிகளின் குழாமுக்கு தலையாயவர்
382. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சிஷ்யர்கள் கூட்டத்திற்கு பர (வஸ்துவின்) ஞானமாகிய கொடி (வளருவதற்கான) ஊட்டச்சத்தை அளிப்பவர்
383. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மடங்களின் ஆம்நாய (ஸம்ப்ரதாயங்களைத் தெரிவிக்கும்) பெரியதான ஆம்நாய ஸேது என்ற கேரள (தேசத்தில் ப்ரஸித்தமான?) நூலை யாத்தவர்
384. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தீர்த்த முதல் புரீ வரையிலான சிஷ்ய ஸம்ப்ரதாயங்களைப் பாகுபடுத்தியவர்
385. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அதில்) ஸரஸ்வதீ என்பதற்கு முன்பு ஆநந்த இந்த்ர (என்ற இரு) பதங்களும் (தனித்தனியே பயன்படுத்தப்படுவதற்கான) முறையையும் (வகுத்தவர்)
386. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆநந்தமய (அதிகாரண தெளிவாக்கத்தால் லௌகிக) ஆநந்தமே ப்ரஹ்மம் (என்று சொல்பவர்களை) ஜயித்து புகழ்பெற்ற சொல்லாண்மையை உடையவர்
387. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகேஸ்வரரை ஆராதிப்பதில் முனைந்தவர்

388. □□□□□□ — யோக்யதை உடையவர்
389. □□□□□□□□ □□□ — யோகம் அறிந்தவர்களில் சிறந்தவர்
390. □□□□□□□□ — செளக்கியமாக இருப்பவர்
391. □□□□□□□□ — அசைக்க முடியாதவர்
392. □□□□□□□□ — மென்மையானவர்
393. □□□□□□□□ — அழியாதவர்
394. □□□□□□ — உறுதித்தன்மையே (வடிவமானவர்)
395. □□□□□□□□□□□ — (தன் சுய) நிலையில் (உறுதியாக நிற்கும் தன்மையை) அருள்பவர்
396. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அவதார இறுதியில்) ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) கேஷத்ரத்தில் ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றியவர்
397. □□□□□□□□□ — உடலற்றவர் (உடலில் அபிமானம் அற்றவர்)
398. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தாண்டுவதற்கரியதான எல்லையற்ற(தாகத் தோன்றும்) ஸம்ஸாரத்தின் எல்லைக்கு சேர்ப்பிக்கும் படகானவர்
399. □□□ — (காமம் க்ரோதம் முதலிய) எதிரிக்கூட்டங்களை அறுத்ததால் சாந்தமடைந்த மனதினால் (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாகிய) தன் பெருமையை அறியக்கூடியவர்
400. □□□□□□□ — சோர்வில்லாதவர்
401. □□□□□□□ — ஒப்பிட முடியாதவர்
402. □□□□□□□□□ — நன்னடத்தை உடையவர்
403. □□□□□□□□□□ — தரிசனம் செய்ய உகந்தவர்
404. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ந்யாயம் முதலிய) ஆறு தரிசனங்கள் (என்ற சாஸ்த்ரங்களில்) கரைகண்டவர்
405. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (வர்ணம் பதம் முதலியதாக உபாஸனா ஸாஸ்த்ரங்களில் சொல்லப்படும்) ஆறு பாதைகளையும் கடந்த (ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றிய) மனதை உடையவர்

406. □□□□□ — குற்றமில்லாதவர்
407. □□□□□□□ — வெல்ல இயலாதவர்
408. □□□□□ — தாபப்படாதவர்
409. □□□□□□□□□ — மிரளச்செய்யவியலாதவர்
410. □□□□□□□□□ — மீண்டும் பிறவாதவர்
411. □□□□□□ — சுத்தமானவர்
412. □□□□□□ — தன் சொருபத்தை அறிந்தவர்
413. □□□□□□□□□□□□□ — விழிப்படைந்த ஆத்மாவானவர்
414. □□□□□□ — (பிறவி) பயன்பெற்றவர்
415. □□□□□□□□ — பலமான (ஞான) ப்ரகாசமுடையவர்
416. □□□□□□□□ — ஆபத்துகளில் இருந்து மீட்டெடுப்பவர்
417. □□□□□□□ — (சம தமாதி குணங்களால் ஞானத்தீ) நன்கு ஓளிரப்பெற்றவர்
418. □□□□□□□□□□□□□ — (சமயோசித புதிய யோசனைகள் வரக்கூடிய) அறிவுக்கூர்மை நிறைந்தவர்
419. □□□□□□□ — சாரத்தை அறிந்தவர்
420. □□□□□□□□□□□□□□□ — எல்லா சாஸ்த்ரங்களையும் அறிந்தவர்
421. □□□□□□□□□□□□□□□ — அமுதமனைய இனிய மொழியினர்
422. □□□□□□□□□□□□ — சூக்கும அறிவுள்ளவர்
423. □□□□□□□□□□□ — மோகமென்னும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
424. □□□□□□□ — பெரும் புகழ்கொண்டவர்
425. □□□□□□□ — பெரும் ஒழுக்கத்தை கொண்டவர்
426. □□□□□□ — பெரும் காரியத்திறன் பெற்றவர்
427. □□□□□□□□ — பெரும் முனிவர்
428. □□□□□□ — மதிக்கத்தக்கவர்
429. □□□□□□□□□□□ — பெரும் (ஆத்ம) பலத்தை கொண்டவர்
430. □□□□□□□□□ — மரியாதைக்கு உரியவர்

431. □□□□□□□□□□ — பெரும்பொருளை அறிந்தவர்
432. □□□□□□□□□□□□□□ — மாயா தத்துவத்தை அறிந்தவர்
433. □□□□□□□□ — பதட்டமில்லாதவர்
434. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பூ மண்டலத்தில் (தலைசிறந்த) பண்டிதர்
435. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தாயாரின் க்ருத்யத்திற்கு ஒத்தாசை செய்யாத கேரள ப்ராஹ்மணர்களுக்கு சாபம் அளித்தவர்
436. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நினைத்தவுடன் (வருவேன் என்ற) தாயிடம் செய்த ப்ரதிஜ்ஞையை சொல்லியவண்ணம் செய்தவர்
437. □□□□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) ஸூர்யனையும் சந்த்ரனையும் கண்களாகக் கொண்டவர்
438. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தோளைக் கடைந்ததால் உருவான அக்னியால் தாய்க்கு தீயளித்தவர்
439. □□□□□□ — ரஸமான (பரம்பொருளை) அறிந்தவர்
440. □□□□□□□□□□□□ — வேத ஸாஸ்த்ரங்களின் சுவையை அறிந்தவர்
441. □□□□□□□□□□□□ — ஆசை துவேஷம் ஆகியவற்றை நீக்குபவர்
442. □□□□ — மகத்தானவர்
443. □□□□□□□□ — ராஜ யோகி
444. □□□□□□□□ — விரும்பியதை அடைந்தவர்
445. □□□□□□ — ஆசைகள் இல்லாதவர்
446. □□□□□□□□□□ — அன்னை போன்ற அன்புடையவர்
447. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காம ஸாஸ்த்ர கலையை அறிய (ஒரு இறந்த அரசனின் சரீரத்தில்) பரகாய ப்ரவேசம் செய்தவர்
448. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அவ்வடிவில்) சிறந்த காவ்யத்தை நிர்மாணித்ததால் உயர்ந்த கவி என்ற புகழைப் பெற்றவர்

- 65

468. □□□□□□□□ — கலைகளுக்கு இருப்பிடமானவர்
469. □□□□□□□□□ — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
470. □□□□□□□ — தன்னிச்சையில் உருவை மாற்றிக்கொள்ளக்கூடியவர்
471. □□□□□□□ — விரும்பிய இடத்திற்கு செல்லவல்லவர்
472. □□□□□□ — கலைகளே வடிவமானவர்
473. □□□□□□□□ — பரம்பொருளில் நிலைத்தவர்
474. □□□□□□□□ — ப்ராணனை வசப்படுத்தியவர்
475. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமாக்ஷியை சேவிக்க விரும்பியவர்
476. □□□□□□□ — உயிர் அளிப்பவர்
477. □□□□□□ — அன்பிற்குரியவர்
478. □□□□□□ — வலுவானவர்
479. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — எல்லா சாஸ்த்ரங்களிலும்
ஸ்வதந்த்ரமாக ஸஞ்சரிக்கவல்ல புத்தியைக் கொண்டவர்
480. □□□□□□□□□□□□□□ — ஆத்ம தளைகளற்றவர்
481. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நாஸ்திகர்களுக்கு முடிவுகட்டியவர்
482. □□□□□□ — மிக்க புத்திமான்
483. □□□□□□□□□□□□ — (யோக) ஆஸன மார்க்கத்தை அறிந்தவர்
484. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜைனர்களின் அத்துமீறல்களை
பொசுக்கியவர்
485. □□□□□□□□□□□□□□ — பெருந்தன்மைக்கு இருப்பிடமானவர்
486. □□□□□□ — பாதிக்கப்படாதவர்
487. □□□□□ — சாமர்த்தியமானவர்
488. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தென் திசையிலிருந்து (வந்த) ஸித்தர்
489. □□□□□□□□□□□□ — முக்காலமும் அறிந்தவர்
490. □□□□□□□ — இறை நம்பிக்கையாளர்
491. □□□□□□□ — கட்டளை பிறப்பிப்பவர்

492. □□□□□□□ — சாதரண மனிதனினும் அதிக சக்தி உடையவர்
493. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காபாலிக மத வழிமுறைகளை த்வம்ஸம் செய்தவர்
494. □□□□□□□□□□□□ — (லௌகிக) ஆசைகளில் ஈடுபட்ட பெண்களிடம் பாராமுகமானவர்
495. □□□□□□ — நண்பனாக கருதத்தக்கவர்
496. □□□□□□□□□ — கர்மானுஷ்டானங்களின் பலனை எதிர்பாராதவர்
497. □□□□□□□ — கர்மானுஷ்டானங்களுக்கு ஹிதமானவர்
498. □□□□ — செய்யவேண்டியவற்றை செய்துவிட்டவர்
499. □□□□□□□□□□□□□□ — கல்யாண குணங்களை உடையவர்
500. □□□□□□□□□□□□□□ — செயல்களிலிருந்து விடுபட்டவர்
501. □□□□□□□ — கிருபையால் நிறைந்தவர்
502. □□□□□□□□□□ — புகழுடையவர்
503. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோக லிங்க பூஜையை செய்தமையால் உலக மக்களைக் காத்தவர்
504. □□□ — தம்மில்லபுரம் என்ற ராஜ்யத்தில் பாலா (த்ரிபுரஸுந்தரியை) அர்ச்சிக்கும் அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர் (?)
505. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தத்தில் சூரியன் போன்றவர்
506. □□□□□□□□□□□□□□ — ஞானத்தில் சந்திரன் போன்றவர்
507. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சகல ஐஸ்வர்யங்களையும் பொழிபவர்
508. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நேபாள தேச அரசனான வருஷ தேவனுக்கு உபதேசித்தவர்
509. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கைலாஸ பர்வதத்தில் சிவனை பூஜிக்கும் வழிமுறை வகுத்தவர்
510. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புத்தமதக்கூட்டத்தை நீக்குவதில் திறம்பெற்றவர்

511. □□□□□□□□□□□□ — வைராக்யத்தை போதிப்பவர்
512. □□□□□□□□ — அறிவாளிகளுக்குள் மணி போன்றவர்
513. □□□□□□□□□□ — தெய்வீக (ஞான) த்ருஷ்டி உடையவர்
514. □□□□□□□□□□□□ — (பூமியில் அதர்மம் பெருகியதால் ஏற்பட்ட) தேவர்களின் வருத்தத்தை அகற்றியவர்
515. □□□□□□ — குழப்பம் இல்லாதவர்
516. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
ப்ரஸன்னமடைந்த லக்ஷ்மியால் ஏழை அந்தணப்பெண்ணுக்கு செல்வம்
கொடுப்பித்தவர்
517. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— முழுதும் மலர்ந்த பூவனைய மெல்லிய அரும்பு போன்ற புன்முறுவலை
உடையவர்
518. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
சிந்முத்ரையாலேயே தலைசிறந்த சீடர்களின் சந்தேகங்களை விரட்டியவர்
519. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (நரஸிம்ஹரின்
மனமுவக்கும் வாக்கின்படி) சிங்கத்தில் பயங்கர குரலாகிய அட்டஹாஸத்தால்
பஸ்மமாகிய காபாலிகனுக்கு (உடலைக்கொடுக்க முன்வந்தவர்)
520. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தன்னை
அண்டிய ஸுதன்வா (என்ற அரசனால்) தமது பாதுகைகளுக்கு நித்ய பூஜை
செய்யப்பெற்றவர்
521. □□□□□□□ — நமஸ்காரங்களையெல்லாம் பெறத்தகுந்தவர்
522. □□□□□□ — (பகவானின்) நாமங்களை முக்கியமாகக் கொண்டவர்
523. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தேவ லோகம் முழுவதும் மகிழ்ற
வைத்தவர்
524. □□□□□□□ — ஒரு தண்டம் உடைய (ஸந்ந்யாஸ ஸம்ப்ரதாயத்தைச்)
சேர்ந்தவர்
525. □□□□□ — கஷாயம் தரித்தவர்

- 69

- 70

555. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அலைபுரளும்
(நர்மதா) நீர்ப்பிரவாஹத்தை கமண்டலுவுக்குள்ளே அடக்கியவர்
556. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
— (நீரில் இறங்கியும்) அழியாத திருநீறும் நனைந்த வஸ்த்ரத்தின்
நுனிப்பகுதியில் மீன்களும் கூடியவர்
557. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — எல்லைக் கரையில் ஸமுத்ரத்தை
விரட்டியவர் (கதை தேட வேண்டும்)
558. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — இறந்தவர்களை உயிர்ப்பிக்கவல்ல
பார்வையை உடையவர் (கோகர்ணத்தில் அவ்வாறு ஆசார்யாள் செய்ததாக
சரித்ரம்)
559. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பெரும் வியாதிகளை குணமாக்குபவர்
560. □□□□□□ — செருக்கை அழிப்பவர்
561. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மிருகங்களை தன்வசம் கொண்டவர்
562. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜடம் கூன் உடையவர் முதலியோரிடமும்
(கருணையுடன்) ஸம்பாஷித்தவர் (ஹஸ்தாமலகர் ஜடம் போல் காட்சியளித்தவர்)
563. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கொடிகளிலிருந்து (தானாக உதிர்ந்த)
பூக்களால் அர்ச்சனை செய்தவர்
564. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காட்டுப்பகுதிகளில்
ஸஞ்சரிக்கையில்) ஓநாய்க்கூட்டங்கள் முன்செல்லப்பெற்றவர்
565. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (இரவில்) உறங்கவில்லையா என்று
ஆந்தைகளால் கேட்கப்பெற்றவர்
566. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காலையில்) காக்கைகளால்
ஸுப்ரபாதம் பாடப்பெற்றவர்
567. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (பாறைகள் முதலியவற்றிலிருந்து விலகி)
சௌகரியமாக அமர ஸர்ப்பங்களால் ஆஸனம் அளிக்கப்பட்டவர்
568. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (மழைக்காலத்தில்) இனிய பாடகர்களின்
கோஷ்டியை உருவாக்கும் தவளைகளால் (உபசரிக்கப்பட்டவர்)

569. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தேனீக்களால் (தேனாகிய மதுபர்க்கம் அளித்து) அதிதி உபசாரம் செய்யப்பட்டவர்
570. □□□□□□□□□□□□□□□□ — புலிகளால் வரவேற்பு சொல்லப்பெற்றவர்
571. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (பாறை முதலியவற்றிலிருந்து எழுந்துகொள்ளும்போது அப்பால் சென்று விழுவதால்) தேள்களால் சரியாக உதறிக்கொண்டீரா என்று நிம்சயம் செய்விக்கப்பட்டவர்
572. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நீர்வீழ்ச்சிகளில் நன்கு நீராடியவர்
573. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மேகங்களால் எண்ணெய் தேய்த்துக்கொள்வது போல் (உடலைப் பளபளக்கவைக்கும் மழை) பொழிவிக்கப்பட்டவர்
574. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெருங்காற்றுகளால் நன்று விசிறிவிடப்பட்டவர்
575. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மரங்களால் வெயிலிலிருந்து நன்கு பார்த்துக்கொள்ளப்பட்டவர்
576. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸிம்ஹங்களைப் போல் (கம்பீரமாக) அமர்பவர்
577. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மலைப்பாம்புகளைப் போல் (ஒரு முறை) போதுமான அளவு உண்டு (வெகு காலம் த்ருப்தியுடன்) இருப்பவர்
578. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மதம்பிடித்த யானைகளானைய அழகிய புன்முறுவல் உடையவர்
579. □□□□□□□□□□□□□□□□ — குறைகளில் ஸுகமாக தங்கியவர்
580. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆங்காங்கு) எளிதில் கிளம்பி போவதற்கு பெருங்காட்டினால் (நல்ல பாதை அளிக்கப்பட்டவர்)
581. □□□□□□□□□□□□□□□□ — காக்கைகளால் சுப சகுனமாக கரையப்பெற்றவர்
582. □□□□□□□□□□□□□□□□ — குளங்களில் த்ருப்தியாக நீர் பருகியவர்
583. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பழுத்த மரங்களினால் நன்கு உண்டவர்
584. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமி தூசி (உடல்முழுதும் சந்தனம்போல்) நன்கு பூசப்பெற்றவர்

585. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கந்தராடையை உயர்ந்த வஸ்த்ரம் போல் தரிப்பவர்
586. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜபங்கள் நன்கு நடக்கின்றனவா என்று (விசாரிப்பதுபோல் இடையூறு செய்யாமல்) கரடிகள் அப்பால் செல்லப்பெற்றவர்
587. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சாதக (பறவைகள் குரல் கொடுப்பதால்) பாராட்டப்பட்ட (உபநிஷத் முதலிய) உயர்ந்த பாராயணம் செய்தவர்
588. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நன்கு உறங்கினீர்களா என்று குரங்குகளால் (வந்து விசாரிக்கப்பட்டவர்)
589. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அழகிய பாட்டுகளால் குயில்களால் போற்றப்பட்டவர்
590. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (காலையில் இங்குமங்கும் ஸஞ்சரிக்கையில்) முள்ளம்பன்றிகளால் (எங்கள் மேல் மோதிக்கொள்ளாமல் இருக்க) நன்கு விழித்துக்கொண்டீர்களா என்று விசாரிக்கப்பட்டவர்
591. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பகல் காரியங்களுக்கு சூரியனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
592. □□□□□□□□□□□□□□□□ — இரவு காரியங்களுக்கு சந்திரனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
593. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பகல் இரவும் சேர்ந்து அனுகூல பொழுதுகள் அளிக்கப்பட்டவர்
594. □□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) வாக்கு அற்றவர்
595. □□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) உடலற்றவர்
596. □□□□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) மனம் அற்றவர்
597. □□□□□ — தண்டம் ஏந்தியவர்
598. □□□□□□□□□□□□□□ — தவைதம் எனும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
599. □□□□□□□ — (ஆளுகை, தர்மம், புகழ், செல்வம், ஞானம், வைராக்யம் ஆகிய) ஆறு குணமுடைய (பகவத்ஸ்வரூபமானவர்)

600. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (இருக்கலாம், இல்லாமல் போகலாம் முதலிய) ஏழு விதமாக “இருக்கலாம்” என்று சொல்லும் (ஜைன மதத்தை) உடைத்தவர்
601. □□□□□□□□□□□□□□ — எட்டு (பெரிய) சித்திகள் உடையவர்
602. □□□□□□□□□□□□□□ — முக்கண் உடைய (அம்பாள்/சிவன்) வடிவினர்
603. □□□□□□□□□□□□□□ — நான்கு புருஷார்த்தங்களை (பொழியக்கூடிய) காமதேனுவானவர்
604. □□□□□□□□□□□□ — ஞானத்தை (உணவுபோல்) பரிமாறக்கூடியவர்
605. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீ நவாவரண அர்ச்சனை முதலான வித்யைகளுக்கு ஆசிரியர்
606. □□□□ — (கர்ப்பவாஸம், பாலியம் முதலிய ஸரீர்) நிலைகள் அற்றவர்
607. □□□□ — வடிவழகு குன்றாதவர்
608. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பதினோரு முறை ருத்ரம் ஜபம் செய்வித்து பிறைகுடிக்கு அபிஷேகம் செய்வித்தவர்
609. □□□□□□□□□□ — (தற்) பெருமையற்றவர்
610. □□□□□□□□□□□□□□ — (உலகச்) செயல்களாகிய ப்ரவாஹத்தை விடுத்தவர்
611. □□□□□□□□□□□□□□ — ஒப்பில்லா ஆனந்தத்தில் எப்போதும் திளைத்திருப்பவர்
612. □□□□□ — (லௌகிக) ஸுகத்தை நிராகரித்தவர்
613. □□□□□□□ — முடிவில்லாதவர்
614. □□□□□□ — வலியற்றவர்
615. □□□□□ — (தனக்கென தனி) இடம் வைத்துக்கொள்ளாதவர்
616. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பலவித கட்டுப்பாடுகளை திறம்பட நிர்வகிப்பவர்

- 75

627. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (இந்த ஆம்னாயங்கள்) வளருவதால் (நாஸ்திகராகிய) புத்த மதத்தினவரை த்வம்ஸம் செய்தவர்
628. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (முதல் ஆம்னாயத்திற்கு) துவாரகா மடத்தை நிர்மாணித்தவர்
629. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காளிகா(வை ஆம்னாய ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தை உருவாக்கியவர்
630. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆம்னாய ஈஸ்வரராக) ஸித்தேஸ்வரரை வழிபட்டவர்
631. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆம்னாய ஸக்தியான) பத்ரகாளியை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
632. □□□□□□□ — (ஆம்னாய வேதமான) ஸாமவேதத்தை ஓதியவர்
633. □□□□□□□□□□ — பூச்சிகளை இம்சிக்காமல் இருக்கும் (ஆம்னாய) விரதம் கொண்டவர்
634. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கோமதீ (என்னும் நதியை ஆம்னாய) தீர்த்தமாக சேவித்தவர்
635. □□□ — (ப்ரஹ்ம) ஸ்வரூபர் என்ற ப்ரஹ்மசாரிக்கு ஆசானான பத்மபாதருக்கு வழிகாட்டியவர்
636. □□□□□□ — (இந்த ஆம்னாயத்திற்கு தஸநாமிகளில்) ஆஸ்ரம எனும் பட்டம் அளித்தவர்
637. □□□ — (ஸாமவேதத்தின்) தத்த்வமஸி (என்பதை) முதலாகக் கொண்டு (உபதேசித்த) மஹா வாக்கிய வடிவானவர்
638. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (இரண்டாம் ஆம்னாயத்திற்கு) ஜ்யோதிர் மடத்தை நிறுவியவர்
639. □□□ — ஜ்யோதிஷ்மதீ பீடத்துக்கு வழிகாட்டியவர்

- 77

- 78

666. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வடக்கு ஆம்னாயத்தில் ஏற்படும் ஆனந்தத்துடன் ஆனந்தகிரியால் வணங்கப்பட்டவர்
667. □□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி பீடத்தின் அதிபதி
668. □□□□□□□□□□□□□□ — கம்பா வேகவதீ நதிகளுக்கு இடையில் சஞ்சரித்தவர்
669. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஏகாம்ரநாதரின் திருவடித்தாமரைகளை (மொய்க்கும்) தேனீ போன்றவர்
670. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமாக்ஷியின் இரு திருவடி பாதுகைகளையும் அர்ச்சிப்பதில் ஈடுபாடுடையவர்
671. □□□□□□□□□□□□ — ருக் வேத சொரூபமானவர்
672. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பர ப்ரம்ஹத்தை (ஸாஸ்த்ரப்படி) நிறுவுவதில் பராக்ரமம் காட்டிய புத்தியுடையவர்
673. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்யவ்ரதம் எனப்படும் காஞ்சியில் (இறுதியில்) தன் உடலை மறைத்தவர்
674. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸர்வஜ்ஞ பீடம் ஏறியதால் “இவர் அனைத்தையும் அறிந்தவரா?” என்ற ஐயத்தைத் தொலைத்தவர்
675. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸுரேஸ்வரர் முதலிய நல்மாணாக்கர்கள் வணங்கிய பாதுகையை உடையவர்
676. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (பூர்வம் உத்தரம் ஆகிய) இரு மீமாம்ஸைகளில் கரைகண்டவர்
677. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வைஸேஷிகம் ந்யாயம் இரண்டின் பாதையையும் அறிந்தவர்

678. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
முப்பத்திரண்டு வயதிற்குள் மும்முறை பூமியை (பாரதத்தை) ப்ரதக்ஷிணம்
செய்தவர்
679. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சேது முதல்
இமாலயம் வரை தர்மத்தை நிலைநிறுத்திய ஆசிரியர்
680. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
தம் வித்யையால் பரவசமான அனைத்து தேசத்து அறிஞர்களாலும்
பூஜிக்கப்பட்டவர்
681. □□□□□□□□□ — உலகிற்கே குரு
682. □□□□□□□□□ — (ஈசனார் வடிவில்) உலகின் பிறப்பு (இருப்பு
மறைவுகளுக்கு) இடமானவர்
683. □□□□□□□□□□□□ — (ஈசனார் வடிவில்) ஸாஸ்த்ரங்களின் பிறப்பிடம்
684. □□□□□□□ — (முரணாகத் தோன்றும் வேதாந்த வாக்யங்களை)
ஒருங்கிணைத்தவர்
685. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தெளிவாகவும்
தெளிவின்றியும் பரம்பொருளைக் குறிப்பவற்றை (அறிந்தவர்)
686. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸாங்க்ய யோக (ஸாஸ்த்ரங்களை)
பரிசீலித்தவர்
687. □□□□□□□□□□□□□□ — இலக்கணம் கூறுபவர்களின் கருத்தை
பரிசோதித்தவர்
688. □□□□□□□ — வசிஷ்டர் (போல் பிறரின் தாக்குதலை எளிதில்
சமாளித்தவர்)
689. □□□□□□□□□ — (பரம்பொருள் வடிவில்) விண்ணை ஆடையாக
கொண்டவர்
690. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ந்யாய ஸாஸ்த்ரத்தின் (குறைகொண்ட)
வாதங்களை முடக்கியவர்
691. □□□□□□□□□□□□□□ — வைசேஷிகர்களின் கருவத்தை அடக்கியவர்

692. □□□□□□□□□□□□□□□□ — புத்த மதத்தினரின் செருக்கை
சீர்குலைத்தவர்
693. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜைமினீயத்தின் குறுகிய
பார்வையை முறியடித்தவர்
694. □□□□□□□□□□□□□□□□ — திகம்பரர்கள் கொண்டு வந்த கடைசி
வாதங்களையும் அழித்தவர்
695. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பாசுபதர்களின் செயல்பாடுகளை
சிதறடித்தவர்
696. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆத்மா (இல்லை, அனைத்தும்)
சூன்யமே என்னும் வாதத்தை வீழ்த்தியவர்
697. □□□□□□□□□□□□□□ — (ஸங்கர்ஷணன் முதலிய நான்கு வடிவங்களே
இறைவனின் உண்மை வடிவம் என்ற) பாகவத மதத்தை வென்றவர்
698. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
வலுத்த ந்யாயங்களால் கம்பீரமாகவுள்ள பாஷ்யத்தை விளையாட்டாக
இயற்றியவர்
699. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜீவனின் சரிதத்தை விளக்கியவர்
700. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரபஞ்சத்தின் தோற்றத்தை
கற்றுணர்ந்தவர்
701. □□□□□□□□□□□□□□□□ — இருப்பின் எல்லைகளை பாகுபடுத்த
தெரிந்தவர்
702. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரளயத்தின் பொருளை தெளிவாக்கியவர்
703. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சம்சாரத்தின் தத்துவத்தை
அலசியவர்
704. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மாயா தத்துவத்தை நிரூபணம் செய்தவர்
705. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
அவித்யையால் ஏற்பட்ட பிரமையை அதன் காரணத்துடன் வேரறுப்பதில்
வல்லுநர்

706. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸம்ஸாரத்தைத் தாண்டும் வழியைக் காட்டுவதில் மிகவும் திறமுள்ள வாக்கினர்
707. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அத்வைத) ரஸிகர்களுக்கு உவகையளிக்கும்படி மஹாவாக்யங்களை செம்மையுற விளக்கியவர்
708. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளர்த்தத்தை முக்கியமாகக் கொண்ட அமருக ஸத ஸ்லோகி என்ற நூலை இயற்றியவர்
709. □□□ — ப்ரஹ்ம ஸூத்ரம், உபநிஷதம், கீதை ஆகிய ப்ரஸ்தானங்களுக்கு விரிவுரை எழுதியவர்
710. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளிருக்கும் பிரமத்துடன் ஐக்கியம் பெறும் வழியைக் காட்டியவர்
711. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மோக்ஷத்தின் பாதையைக் காட்டியவர்
712. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் உபநிஷதங்களின் சொற்றொடர்களுையே சிந்தித்து வந்தவர்
713. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தமெனும் அரண்யத்தில் ஸிம்ஹம் போன்றவர்
714. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தத்துவ ஞானத்தில் பரந்த சமுத்திரமனையவர்
715. □□□□□□ — இளைஞர்
716. □□□□□□□□□□ — (ஆனால்) இளம் பெண்களிடம் ஈடுபாடில்லாதவர்
717. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சந்த்ரனைப் போன்ற பொலிவுடையவர்
718. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கடை தேற்றும் பிரம்ம தத்துவத்தை அறிந்தவர்
719. □□□□□□ — தவமியற்றியவர்
720. □□□□□□□□□□ — தவசிகளைப் பின்பற்றுபவர் (அல்லது) தவசிகளான சீடர்களை உடையவர்

721. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (உடல், இயற்கை, பிராணிகள் ஆகிய) மூன்றாலும் ஏற்படும் இன்னல்கள் அற்றவர்
722. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மிருதுவான சொற்களால் (மாற்றுக்கருத்துகளை) நிராகரித்தவர்
723. □□□□□□□□ — (மனவடக்கம் மற்றும் புலனடக்கம் ஆகிய) அலங்காரங்களைக் கொண்டவர்
724. □□□□□□□□□□□□□□ — (உலக ரீதியில்) மிகவும் மதிக்கத்தக்கவர்களால் நாடப்பட்டவர்
725. □□□□□□□□ — (தன் சொருபமாகிய) ஆத்மாவை (உலகின் காரணமான ப்ரஹ்மமாக) அறிந்தவர்
726. □□□□□□□□□□□□□□ — ப்ரஹ்மமாகிய (உலகின் காரணத்தை தன் சொருபமான ஆத்மாவாக) உணர்ந்தவர்களுள் சிறந்தவர்
727. □□□□□□□□□□ — வேதத்திற்கு ஹிதமானவர்
728. □□□□□□□□□□ — தாமே ப்ரஹ்மமாக ஆனவர்
729. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தனது இருப்பிடமாக விரும்பிய (மதிக்கத்தக்க) காஞ்சியிலேயே நிலைத்தவர்
730. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புண்ணிய தலங்களுக்கு யாத்திரை செய்தவர்
731. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆறாவது) ஊர்தவ (மேலான) ஆம்னாயத்தின் தத்துவப் பொருளை உணர்ந்தவர்
732. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (தானொன்றே இருப்பதாகிய) கைவல்யமெனும் க்ஷேத்ரத்திற்கு விஜயம் செய்தவர்
733. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சுத்தமான மனதையே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
734. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (உலகிற்கு உச்சியான) மேருவின் அடியை (மடமாகக் கொண்டு) ஸஞ்சரித்தவர்
735. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மாயையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாக பூஜித்தவர்

736. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (இந்த்ர ஸரஸ்வதி முதலிய பட்டங்களுக்கு பதில்) ஸத்யம் ஞானம் என்ற பெயர்களாலேயே அழைக்கத்தக்கவர்
737. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — இடையறாத ஆனந்த மூர்த்தியானவர்
738. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸோஹம் (அதாவது) சிவனே நான் என்பதை (மஹா)வாக்யமான செல்வமாகக் கொண்டவர்
739. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஏழாவது) உள்ளிருக்கும் ஆம்னாயத்தை அறிந்தவர்
740. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸம்ஸார) தோஷங்களற்ற ஈஸ்வரனை வழிபடுபவர்
741. □□□□□□□ — செல்வத்தை உண்டு செய்பவர்
742. □□□□□□□□□□□□□□ — சம்பிரதாயங்களை (வகுத்தளித்தமையால்) தாங்கியவர்
743. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வித்யையை (ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தின் மஹா யோகி
744. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பரமாத்மாவையே (பீடத்தின்) மடமாக ஆஸ்ரயித்தவர்
745. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அறிவு அறிபவன் அறியப்படுவது என்னும்) த்ரிபுடியே (பீடத்தின்) தீர்த்தமாகக் கொண்டு அதில் நீராடியவர்
746. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகத்தையே (பீடத்தின்) கேஷத்ரமாகக் (கொண்டு அதனை ப்ரகாஸிக்க வைக்கும்) ஸூர்யனானவர்
747. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீவித்யையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாகக் (கொண்டு) ஜபத்தினால் (உபாஸித்தவர்)
748. □□□□□□□ — மந்த்ரங்களின் (இருப்பிடமானவர்)
749. □□□□□□□□□□□□□□ — (தன்னில்) சந்தோஷித்து இருப்பதையே ஸம்ப்ரதாயமாகக் கொண்டவர்
750. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பரமஹம்ஸ (நிலையையே ஈஸ்வர ஸ்வரூபமாகக் கொண்ட அத்தகைய நான்காம் நிலையிலுள்ள) ஸந்ந்யாஸி

751. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பொலிவுடன் தன்னில்
நிலைபெற்ற ப்ரஹ்மசர்யத்தைக் கொண்டவர்
752. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஐம்பது) மாத்ருகா வர்ணங்களையும் ஒரே
மஹாவாக்ய வடிவில் (பார்ப்பவர்)
753. □□□□□□□□□□□ — உடலைப் பார்க்கும் ஸாக்ஷி சைதன்ய வடிவமான
(ஆம்னாய பீடாதிபதியானவர்)
754. □□□□□□□ □□□ — (உலகில்) அழியாதவை (என்று ப்ரஸித்தமானவற்றைக்)
காட்டிலும் பெரியவர்
755. □□□□□□□□□□□□□□□□□ — (எட்டாவது) நிஷ்கல ஆம்னாயத்தில்
நிலைபெற்றவர்
756. □□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாந்தமும் பொறுமையும் உடையவர்
757. □□□□□ — சைதன்யத்தையே (சக்தியாகக் கொண்டவர்)
758. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆனந்த பீடத்தில் உறைந்தவர்
759. □□□□□□□□□□□□□□□□□ — சுய அனுபவமே கேஷத்ரமாகக்
கொண்டவர்
760. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸாஸ்த்ரத்தில்)
நம்பிக்கையாலும் (மற்றவர்களிடத்தில்) நட்பாலும் அறியத்தக்க
(சொருபத்தினர்)
761. □□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸச்சித் (ஸ்வரூபமே) மடமாகக்
கொண்டவர்
762. □□□□□□□□□□□ — ஆகாயமே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
763. □□□□□□□□ — ஆகாயம் (போன்று ஸூக்ஷ்மமாக உள்ள பரம்பொருளைப்)
பார்த்தவர்
764. □□□ — ஆகாயம் (முதலிய சொற்களால் உபநிஷத்துகளில் சொல்லப்பட்ட
பரம்பொருளானவர்)
765. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சைதன்யம் மற்றும் அதன் ஸக்தி இவற்றை
சிந்திப்பவர்

766. □□□□□□□□□□ — ப்ரணவத்தில் அமிழ்ந்தவர்
767. □□□□□ — (தமது குருமார்கள் விஷயத்தில்) வணங்கிய (உடலுறுப்பகளைக்) கொண்டவர்
768. □□□□□□□□□□□□ — நந்த கோப குமாரனை பூஜித்தவர்
769. □□□□ — (தன்னைக் காட்டிலும் பெரியது இல்லாத) பெரும்பொருளானவர்
770. □□□□□□□□□□□□□□ — பிரமானந்தம் என்ற பெயர் கொண்ட (ஸ்வரூபத்தினர்)
771. □□□□□□□ — (ஸாக்ஷி ஸ்வரூபமாக) மாறாமல் உள்ளுறைபவர்
772. □□□□□□ — அழிவில்லாதவர்
773. □□□□□□ — (பக்தர்களின்) விருப்பத்தை நிறைவேற்றுபவர்
774. □□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளும் வெளியும் தனித்தனியாக இல்லாதவர்
775. □□□□□□□□ — அனைத்திலும் உயிராக உறைபவர்
776. □□□□ — பகுதிகளற்றவர்
777. □□□□□ — (மாயையால்) பல (வடிவமாகத் தோன்றுபவர்)
778. □□□□□□ — ஸரீரத்தில் வீற்றிருக்கும் (ஆத்ம ஸ்வரூபமானவர்)
779. □□□□□□□ — ஸம்ருத்தியுடையவர்
780. □□□□□□ — நிறைவானவர்
781. □□□□□□□□□□□□ — இருப்பாக இருப்பவர்
782. □□□□□□□ — பழமை காலமுதலே இருப்பவர்
783. □□□□□□□ — நுகர்வை (ஸத்விஷயத்தில் கட்டுப்படுத்தும்) யோகத்தை அளிப்பவர்
784. □□□□□□□ — யோகத்தையே தன் நுகரும் பொருளாக ஆக்கியவர்
785. □□□□□□□□□□ — உலகங்களில் உள்ளுறைபவர்
786. □□□□□□ — (விரும்பத்தக்க ஒரே பொருளாகையால்) வனம் (எனப்படும்) ப்ரஹ்மத்தில் ஸஞ்சரிப்பவர்)

787. □□□□□□□□ — (ஸ்த்கார்யங்களை செய்வதற்கு வேண்டிய) செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
788. □□□□□□ — (அத்தகைய) செல்வத்தை (அத்தகைய காரியங்களுக்காக நமக்கு) தருபவர்
789. □□□□ — எங்கும் வ்யாபித்திருப்பவர்
790. □□□□□□ — (பக்தர்களுக்கு அருள) பலவிடங்களில் உறைபவர்
791. □□□□□□□□□ — இறைவனின் ஸ்ருஷ்டியை ரசிப்பவர்
792. □□□□□□□□ — (உலகத்திற்கு கேஷமம் ஏற்படும் வகையில் காஞ்சீபுரத்தில்) ஸ்ரீசக்ரத்தை ஸ்தாபித்தவர்
793. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அங்கு) ஸ்ரீசக்ர பூஜை அர்ச்சனை சம்பிரதாயத்தை செயல்படுத்தியவர்
794. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பாம்புகளை அணிகலன்களாக்கிக் கொண்ட (சிவனார்) வடிவினர்
795. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) விஷ்ணுவினால் ஸேவிக்கப்பட்டவர்
796. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சக்ரவர்த்திகளின் தலையணிகளில் அங்கமான நககாந்தியைக் கொண்டவர்
797. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஏழை அந்தண பெண்மணியின் வீட்டில் உள்ள (மண்) கலயங்கள் அனைத்தும் தங்கமாக்கியவர்
798. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (யுக்தியால்) சாதூர்யமிக்கதும் (கருணையால்) பெருந்தன்மை மிக்கதும் (பொருளினால்) கம்பீரம் மிக்கதுமான வாக்யங்களால் வாதம் செய்பவர்
799. □□□□□□ — பயணித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
800. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பிறைசூடி வடிவினர்
801. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சம்பங்கி (மொட்டை) விட (அழகிய) மூக்கை உடையவர்

802. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமியெங்கும்
ஸஞ்சரிக்கும் பலவித மதங்களை மிச்சமின்றி விசாரித்து (பதிலளித்தவர்)
803. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைத ஞானத்தை (எங்கும்)
ப்ரச்சாரம் செய்தவர்
804. □□□ — (பக்தர்களுக்கு அருள ஆங்காங்கு) ஸஞ்சரித்துக்கொண்டே
இருப்பவர்
805. □□□□□□ — பலவித (திறன்கள்) கொண்டவர்
806. □□□□□□□□ — சிதாகாஸ வடிவினர்
807. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்யவ்ரத
ஸ்தானம் (எனும் காஞ்சியில்) சுகமாக வெகுகாலம் தங்கியவர்
808. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மாணவர்களின்
ஹ்ருதயத்தில் இருக்கும் சிக்கல்களை சூர்ணமாக்கியவர்
809. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துஷ்டர்களின் வாய்களை
மண்ணைக் கவ்வச் செய்பவர்
810. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்தாபனங்கள் ஏற்படுத்தியவர்களில்
தலைச்சிறந்தவர்
811. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பெரும் புகழை நிலைநிறுத்தியவர்
812. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —
பெரிய (பௌத்தர்களான) விஞ்ஞானவாதிகளின் கர்வத்தை முழுவதும்
தேய்ப்பதற்காக வந்தவர்
813. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமியில் இருப்போர்கள் அனைவருக்கும்
(நித்ய) மகிழ்ச்சியை (அளிக்கவல்ல நன்மையை உபதேசித்தவர்)
814. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துறவிகளுக்கான தர்மத்தை
ஆராய்ந்தவர்/நேராக காட்டியவர்
815. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆன்மிகத்தின்
உண்மையைக் காட்டியவர்
816. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அறிஞர் கூட்டத்தால் நாடப்பட்டவர்

817. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நதி, நதம், ஏரி (முதலான) நீர்நிலைகளில் முங்கி நீராடி தூய்மை பெற்ற உடலினர் (உண்மையில் அவற்றை தூய்மைப்படுத்தியவர்)
818. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (கர்வமுள்ள) பண்டிதர்கள் கூட்டத்தின் பாண்டித்யத்தை கவ்வவல்ல சொற்கள் கொண்டவர்
819. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தத் பதத்தின் பொருளை பிரகடனப்படுத்தியவர்
820. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — த்வம் பதத்தின் பொருளை விளங்கச் செய்பவர்
821. □□□□□□□□□□ — எப்போதும் ஆனந்தமாக இருப்பவர்
822. □□□□□□□□□□ — (சுதந்திரமாய்) எதையும் சாராமல் இருப்பவர்
823. □□□□□□□ — புலன்களுக்கு அப்பாற்பட்டவர்
824. □□□□□□□□□□□ — எல்லாவற்றையும் (ஸாக்ஷி பாவத்துடன்) பார்ப்பவர்
825. □□□□□□□□ — அழிவற்ற ஞானம் உடையவர்
826. □□□□□□□□□□□□□ — நித்யத்தையே (அடைய வேண்டும் என்ற) ஸங்கல்பம் கொண்டவர்
827. □□□□□□□□□ — (மோக்ஷம் எனும்) பொக்கிஷத்தில் நின்றவர்
828. □□□□□□□□□□ — அவித்யை அற்றவர்
829. □□□□□□□□□□ — நித்யமாகிய (பரம்பொருளில்) வசிப்பவர்
830. □□□□□□□□□□□ — எப்போதும் தூய்மையாக இருப்பவர்
831. □□□□□□□□□□□ — பேராசை இல்லாதவர்
832. □□□□□□□□□□ — வேத விரோதிகளை ஒழிப்பவர்
833. □□□□□□□□□ — (ஸம்ஸார) தோஷங்கள் அற்றவர்
834. □□□□□□□□□□□ — எப்போதும் வணங்கத்தக்கவர்
835. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் விடுதலையானவர் (ஸம்ஸார பந்தமே இல்லாதவர்)
836. □□□□□□□□□□ — (தனக்கு) தலைவன் இல்லாதவர்

837. □□□□□□□□ — (தன்னை) உருவாக்கியவன் அற்றவர்
838. □□□□□□□□ — எதையும் சேர்த்துக்கொள்ளாதவர்
839. □□□□□□ — தனது என்று ஒன்றுமில்லாதவர்
840. □□□□□□ — தங்கக்காசு (போன்றவர்)
841. □□□□□□□□□□ — அனைத்தும் வசிக்கும் இருப்பிடமானவர்
842. □□□□□□ — (தேஹமாகிய) கோட்டையில் உறைபவர்
843. □□□□□□ — (அனைவருக்கும்) முன் செல்பவர்
844. □□□□□□ — புண்யமானவர்
845. □□□□□□□□ — முன்னோர்களை வணங்குபவர்
846. □□□□□□□□□□ — பலருக்கும் பிரியமானவர்
847. □□□□□□□□□□□□ — கொண்டாடப்படும் வீரம் மிக்கவர்
848. □□□□□□□□ — வித்யைகளுக்கெல்லாம் அதிபதி
849. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீவித்யையின் ஷோடஸி
மந்த்ரத்துக்கு குரு
850. □□□□□□□□ — (அனைவராலும்) அடையாளம் காணப்பெறுபவர்
851. □□□□□□□□ — (வேத வாக்யங்களால் நேரடியாக தெரிவிக்கவியலாமல்)
மறைமுகமாக தெரிவிக்கப்படுபவர்
852. □□□□□□□□ — (ஸூபமான) அங்க லக்ஷணங்களை உடையவர்
853. □□□□□□□□□□ — லக்ஷணங்களை அறிந்தவர்
854. □□□□□□□□ — ஒளிரும் ஸ்தானம் கொண்டவர்
855. □□□□□□□□ — அடக்கமானவர்
856. □□□□□□□□ — அன்னம் போன்ற (அழகுற) நகருபவர்
857. □□□□ — அன்னம் (போல் நித்யாநித்யங்களை பிரிக்கத்தெரிந்தவர்)
858. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அன்னம் போன்ற வெண்ணிற
இதயத்தாமரை கொண்டவர்

859. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹம்ஸ என்னும் மந்திரத்தின் தத்துவ பொருளை அறிந்தவர்
860. □□□□□□□□ — ஸூர்யன் போன்ற நிறத்தினர்
861. □□□□□□□□□□ — ஹரிக்கு பிரியமானவர்
862. □□□□□□□□□□□□ — மகிழ்ச்சியும் கோபத்தையும் சகித்துக்கொள்பவர்
863. □□□□□□□□ — (உள்ளிருக்கும் ஆனந்தத்தால்) சிரித்துக்கொண்டு சுகமாய் இருப்பவர்
864. □□□□□□□□□□□□□□ — மிகுவது குறைவது (இரண்டையும்) தள்ளிய (பரம்பொருளானவர்)
865. □□□□□ — ஸபையில் முன்னிற்பவர்
866. □□□□□□□□ — ஸபைக்கு தலைவர்
867. □□□□□□ — (அனைத்திற்கும்) உரிமையாளர்
868. □□□□□□□□ — (சேவை செய்பவர்களுக்கு அனுக்ரஹமாகிய) நல்ல ஊதியம் அளிப்பவர்
869. □□□□□□□□□□ — (மீண்டும் மீண்டும்) பிறப்பதன் (அவசியத்தை) தவிர்ப்பவர்
870. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விளாமிச்சை வேர் போல் குளிர்ச்சியாகவும் (வாசனையாகவும் உள்ள) மனதைக் கொண்டவர்
871. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — லஜ்ஜையுடவளாகிய (அம்பாளால் ஆனால் தைரியமாக) அபஹரிக்கப்பட்ட (பாதி) உடலைக் கொண்டவர்
872. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அனைத்து மந்த்ரங்களின் லக்ஷ்ய அர்த்தங்களையும் (அறிந்தவர்)
873. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — லக்ஷம் கோடி ப்ரம்மாண்டங்களுக்கு நாயகன்
874. □□□□□□□□□□ — லளிதமான உடலைக் கொண்டவர்
875. □□□□□□□□□□ — (பிரம்மத்துடன்) லயத்தை அறிந்தவர்
876. □□□□□□□□□□ — தன்னை அடைந்தவர்

877. □□□□□□□□□□ — கிடைத்த (தன் சொருபமான ஆனந்தத்தில்) களித்திருப்பவர்
878. □□□□□□□□□□ — சங்கு போன்ற கழுத்துடையவர்
879. □□□□□□□□□□ — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
880. □□□□□□□□□□ — மங்களங்களில் உள்ளுறைபவர்
881. □□□□□□□□ — அழகிய குரலுடையவர்
882. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பண்டிதர்களின் கூட்டத்தை அலங்கரிப்பவர்
883. □□□□ — பூமியில் அவதரித்தவர்
884. □□□□□□□□□□□□ — பூமியில் வாழும் தேவர்களால் (அந்தணர்களால்) வணங்கப்பட்டவர்
885. □□□□□□□□ — யாகங்களை அறிந்தவர்
886. □□□□□□□□ — யோகத்தை அறிந்தவர்
887. □□□□□□ — காரியங்களில் தானே ஈடுபட்டவர்
888. □□□□□ — புகழை அளிப்பவர்
889. □□□□□□□□ — சுய கட்டுப்பாட்டை விரும்புபவர்
890. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஓங்காரம் வியாஹ்ருதிகள் இவற்றில் இருந்து எண்ணங்களை நீக்காதவர்
891. □□□□□□□□□□□□□□□□ — எதிரிக்கூட்டத்தை (வாதில் வென்று) வணங்கச்செய்தவர்
892. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நாக பர்வதத்தின் உச்சியில் ஸஞ்சரித்தவர்
893. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ராமகிரி ஆம்ரமத்தை ஆம்ரயித்தவர்
894. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வேண்டிய செல்வத்தைத் தருபவர்
895. □□□□□ — (உலகை தன்னுள் லயமாகும்படி) ஸம்ஹரிப்பவர்
896. □□□□□ — ஏக்கமற்றவர்
897. □□□□□□□□□□ — மகிழ்ச்சியில் களித்தவர்

898. □□□□□□□□□□□□□□□□ — யதிகளின் நடத்தையை ஆராய்ந்து அறிந்தவர்
899. □□□□□ — (விசாரங்களில்) புத்தியைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
900. □□□□□□□ — (வ்யவஹாரங்களில் மனோ)பாவத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
901. □□□□□□□ — ஓங்காரத்தையே (எப்பொழுதும் த்யானத்தில்) கொண்டவர்
902. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைதத்தைக் (காட்டும்) வேத (வாக்யங்களையும்) ந்யாயங்களையும் விவரித்தவர்
903. □□□□□□□□□ — கருணைக்களஞ்சியம்
904. □□□□□ — நிர்வஹிப்பவர்
905. □□□□□□□ — மனதைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
906. □□□□□ — (பக்திக்கு) கட்டுப்படுபவர்
907. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களை உறுப்புகளாகக் கொண்டவர்
908. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞத்துக்கு ஆபரணம் போன்றவர்
909. □□□□□ — யஜ்ஞ (ஸ்வரூபி)
910. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களுக்குத் தலைவர்
911. □□□□□ — யஜமான (ஸ்வரூபியானவர்)
912. □□□□□□□ — யஜ்ஞங்களின் ஆதாரம்
913. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களை நடத்துவிப்பவர்
914. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கருணை கைகொடுத்து தூக்கிவிடுபவர்
915. □□□□□□□□□□□□□□□ — விதியை மாற்றவல்லவர்
916. □□□□□□□ — ப்ரஹ்மாண்டத்தை உருவாக்கவல்லவர்
917. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமி முழுதுக்கும் ஆசார்யனானவர்
918. □□□□□□□□□□□□□□□□ — போலி தத்துவங்களை உடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
919. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உயர்ந்தவற்றை (தத்துவங்களை) நிலை பெறச்செய்தவர்

920. □□□□□□□□□□□□ — अत्வைதம் என்ற பெரும்பாதையை
(வேதத்தின் கருத்தாக) தீர்மானித்தவர்
921. □□□□□□□□□□□□□□□□ — துறவிகளுள் முன்நிற்பவர்
922. □□□□□□□□ — அளவற்ற (உலகை) முன்நடத்துபவர்
923. □□□□□□□□□□□□ — உள்ளுக்குள் உள்ளே (இருப்பவர்)
924. □□□□□□ — (ஸம்ஸாரத் தளைகளிலிருந்து) விடுபட்டவர்
925. □□□□□□□□ — கொண்டாடப்படும் புனிதர்
926. □□□□□□□□ — சார்பில்லாமல் (தீர்ப்பு அளிப்பவர்)
927. □□□□□□ — செருக்கிலிருந்து தூர (விலகியவர்)
928. □□□□□□ — (பக்தர்கள்) மனத்தில் (உள்ள த்யான) வடிவானவர்
929. □□□□□□ — (உலகமே) அடங்கிய (நிலையிலுள்ளவர்)
930. □□□□□□□□ — மங்களம் செய்பவர்
931. □□□□□□ — தூயவர்
932. □□□□ — (தர்மத்தைக் காப்பாற்றுவதில்) சூரர்
933. □□□□□□□□□□□□ — சோகம் சிறிதும் அற்றவர்
934. □□□□□□□□ — துறவி வடிவினர்
935. □□□□□□□□ — (ஞானத்திற்கான) பாதையை செதுக்கியவர்
936. □□□□□□□□ — பொறுமைசாலி
937. □□□□□□□□ — (வாதங்களில்) காயமடையாதவர்
938. □□□□□□□□□□□□ — அக்ஷதைகளுடன் கூடி அர்ச்சனை செய்பவர்/செய்யப்படு
939. □□□□□□□□□□□□□□ — அரசர்களுக்கெல்லாம் அரசர்களால்
பூஜிக்கப்பட்டவர்
940. □□□□□□□□ — ரஸிக்கவைக்கக்கூடியவர்
941. □□□□□□ — ரஸிக்கவைப்பவர்
942. □□□□□□□□□□ — ஒளி வீசுபவர்
943. □□□ — மகிழ்பவர்

944. □□□□ — மகிழ்விப்பவர்
945. □□□□□□ — ரஸவாதம் தெரிந்தவர்
946. □□□□□□□□□□□□□□ — வெள்ளி(ப்பனி) மலையில் வசிப்பவர்
947. □□□□□□□ — தூலமாக இல்லாதவர்
948. □□□□□ — அணுவாக இல்லாதவர்
949. □□□□□□□ — (கட்டைவிரல் அளவு) குட்டையான (ஜீவ சொரூபமானவர்)
950. □□□□ — மந்த்ர வடிவினர்
951. □□□□ — ஞாபக ஸக்தி வடிவினர்
952. □□□□□□□ — விசாலமான மனம் உடையவர்
953. □□□□□□□ — வெகு தூரம் நடந்து பயணித்தவர் / (விஸ்வரூபத்தில்) பல கால்கள் உடையவர்
954. □□□□□□□ — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தோள்கள் உள்ளவர்
955. □□□□□□□□□ — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தலைகள் உள்ளவர்
956. □□□□□□□□□ — பலர் அன்புக்கும் உரியவர்
957. □□□□□□□□□□□□□□ — (ஸ்வப்னத்தைப் போல்) உள்பொருளைப் பார்க்காதவர்
958. □□□□□□□□□ — (அனைத்துப் பொருள்களையும் ஒருசேர) பார்க்காதவர்
959. □□□□□□□□□□□□□□ — (விழிப்பைப் போல்) வெளிப்பொருளைப் பார்க்காதவர்
960. □□□□□□□□□ — சைதன்யமற்று இல்லாதவர்
961. □□□□□□□□□□□□ — திரண்ட அறிவு வடிவினர் (அறிவு தவிர வேறெதுவுமில்லாதவர்)
962. □□□□□□□□□□□□□ — ஸரீரத்திற்குள் இருந்து விஷயங்களை அறியும் விஞ்ஞான வடிவினர்
963. □□□□□□□□□ — (அத்தகைய விஞ்ஞானங்களிலேயே) ஒளிர்பவர்
964. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பிடித்தது பிடிக்காதது என்னும் உணர்வுகளால் பாதிக்கப்படாதவர்

965. □□□□□ — அழிவில்லாதவர்
966. □□□□□□□□□□ — ஆகாஸத்தையே உடலாகக் (கொண்டு உள்ளுறைபவர்)
967. □□□□□□ — நிலம் அல்லாதவர்
968. □□□□ — நீர் அல்லாதவர்
969. □□□□□□□ — நெருப்பு அல்லாதவர்
970. □□□□□□ — வளி (காற்று) அல்லாதவர்
971. □□□□□□□ — வெளி (ஆகாயம்) அல்லாதவர்
972. □□□□□□□□□ — (கர்ம இந்த்ரியங்களால்) பிடிக்க இயலாதவர்
973. □□□□□□□□□□ — (ஞான இந்த்ரியங்களால்) காண முடியாதவர்
974. □□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) கேட்காதவர்
975. □□□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) கேட்பவர்
976. □□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) செய்பவர்
977. □□□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) செய்யாதவர்
978. □□□□□□ — (உண்மையில்) மணமற்றவர்
979. □□□□□ — சுவையில்லாதவர்
980. □□□□□ — உருவில்லாதவர்
981. □□□□□□□□ — தொட இயலாதவர்
982. □□□□□□ — ஒலியற்றவர்
983. □□□□□□□□ — (வேத) ஸப்தங்களை (தன்னைத் தெரிவிப்பவையாகக்) கொண்டவர்
984. □□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) நினைப்பவர்
985. □□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) நினைக்காதவர்
986. □□□□□□□□ — (மனம் விஷயங்களை நினைக்கையில் அதற்குள் இருப்பதால்) அதனை ஒட்டி பார்ப்பவர்
987. □□□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) தீர்மானிப்பவர்
988. □□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) தீர்மானிக்காதவர்

989. □□□□□□□□□□ — (ஆத்மாவை அறிய வேண்டும் என்ற) விழிப்பூட்டுபவர்
990. □□□ — (உண்மையில்) ஒன்றாக உள்ளவர்
991. □□□□□ — (உலக நடப்பில்) பலதாக உள்ளவர்
992. □□□□□□□□□□ — (வெளி தொடர்பற்ற) தனி ஆத்மாவானவர்
993. □□□□□ — எல்லாமும் ஆனவர்
994. □□□□□□□□□□ — ஸம்ஸாரத்தில் இருந்து விடுவிப்பவர்
995. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் சுத்தர் ???
996. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் நல்லறிவானவர் ??
997. □□□□□□□□□□□□ — எப்போதும் முக்தர் ஆனவர் ?
998. □□□□□□□□□□ — (தனக்கு) புகலிடம் (தேவை) இல்லாதவர்
999. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹ்ருதயத்தில் உள்ள அவித்யை என்னும் இருளை வெட்டுபவர்
1000. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பக்தர்களின் இதயத் தாமரையில் சூரியனானவர்

